





गुनाध्यायबृहत्कथा



15 14 13 12 11 10 9 8 7 6 5 4 3 2 1



६३ नमः सर्वज्ञाय ॥ मिहि सा अविता मयु युधा दारु स्य धुर्ज ॥ जां द्रवी रुत क गय युः  
 मा द्वि भवि विदिता ॥ १ ॥ तादि माय दक्षायं या क दं सं क्रु मा कि या वा वा स व व वि हं । नि कि वि द्या द द  
 गि व ॥ २ ॥ मयी मद्र वय भा द न मि हि सा अ वि द्या न सं य नै रु व ध रु व म हा द व हं ग थिं ला धार मा जां  
 क्रु वी ग जा तं भि व स व द र यं ला सा या द वा द ह वं ग थिं ला धार मा अ रु व द न सं य रु या दं भा सा मि र  
 स थ थिं ला व र म ध र स्यं मा धु रु न या मि हि या क थ रु व ॥ ३ ॥ अ रु व म र म व ला हा वि द्या म र्थं वि

न य नु ॥ गु दी न रु व रु श य रु त ना ध र मा र व रु ॥ ४ ॥ न य म न यं स नं द न ज्ञा थ रु यं म यं  
 य मा न मा र यं वि द्या न न मा ध र मा य म दि न र य य म न य म वा रा मा र यं रु व रु य मा र मा र  
 यं ध र मा य म द न या य म वी रु मा य म य न या य म वि रु व य ॥ ५ ॥ रु व रु य वि रु व रु व  
 मा रु व न रु मा आ दा यी ता द न र्थ ता रु व रु य ता र म वी दा ॥ ६ ॥ स म रु द य मा मि र्थ वि द्या वा  
 या ध र म रु म न स्यं म व न रा स्यं रु य का र नं मा य म रु व रु य ॥ ७ ॥ रु म म य मि वि रु व नी



यथायिनवमविना॥ समुद्रनिवदहर्भं वृथं शाश्वतमनश्यं॥ • ॥ विद्याभासु सभासु सद्दिविद्य  
यनियरुय। आद्यादास्यायवृद्धतद्विमियायीयकसदा॥ ॥ यत्नवकाजनलस्रसखावानाच  
थारुवक॥ कथावृत्तनवालानां निमित्तदिहकथाका॥ • ॥ गथमउदाकधुनिश्चायाजनयाह २  
यवमदकअथंसासुमसवन्न मनश्चनिश्चायाजनकवधमनमर्यकवालकनिमित्तमयकनिमिः  
लिननानाकथासंगदयादनिमित्तजनकाय॥ ५ ॥ मिकलाकसदहृदविगदहसश्चिदवव॥

यकृत्कारुधायसात्ताथमश्रयलित्यका॥ ७ ॥ मिकलाकसदहृदविगदहसश्चिद्विजकं  
धनजननानानीकिवायंरयाज्ञायधका॥ न ॥ अरुसागीवथीगीवयाकलियुक्तनामश्चयन्न  
मया॥ ॥ यद्विनंवलसगन्नागीलसयाकलियुक्तनामनगरवृथुविदवा॥ ७ ॥ ककवसवस्थाः  
मीगुलायकहसदधीमानामनवयकिवासी॥ • ॥ धनवावसममकलाकयास्यामिममकमु  
धनसम्यन्नसदधेननामवाजास्यंराश्यादविद्याकां॥ ८ ॥ सवरुयकिचकवाकनायियथमा



नं श्रावयं संश्रवक ॥ ॥ थर्गसं नकं विद्या कदासं मन्त्रिनं नगरवा मित्त यदया श्रव निः  
 यनास्य विद्या क ॥ १० ॥ नयक संश्रव दि यनास्य दशक शसर्वस्य लावनं श्रमं यस्य नाः  
 स्य श्रवनाय वश ॥ ० ॥ गथु धारमा चनक नाना संश्रय मावका वमवनया दाद्य कवा दित नाना व २  
 मजा नां सनक वनी किशव द्वाव दश या क थर्थि यं श्रम धाया स समक ला कय मिश्रा धश्रम ममावः  
 कं वान वरुस्य धका ॥ ११ ॥ यो वनं धन मयानि ४ यरुत न विवक का ॥ नकं कल यनथा य किमयः  
 मनन २

कव रुयं ॥ ॥ यो वन धन संयद यरुत थय ना विवक मद्र श्रम ममाव याति रुत द्वा दश  
 थधका ॥ १२ ॥ ॥ श्राव कलात्मन ४ यनास्य मन धिग क श्रम ॥ नाम न्द्रा वना धिग्र मना ४ स वाजा  
 चिक्रमासा ॥ ० ॥ थय का रव यथि नं मन यव यउ या श्रव ना या रथ वय कय नि श्रम ममावः  
 श्रावयं वाजासं वक मया वकं चिक्रय वं ॥ १३ ॥ वा वर्थ य कल जा कन यन विद्वान् धार्मिक थगा  
 मन वक्र या कि म्माव क ४ यो उ य वर्य रुता ॥ ० ॥ वाजासं ग अचिक्र वय र धार मा काय जा य रया व



दृक्कार्ये यदुक्तं मद्रहाव धर्मिक मद्रहासं युतां धं वा वरा भावा कानया नृप उदया वराः  
 यमिवाभा कयस्यं कया धं दृगां दस्य दधकं ॥ ५४ ॥ विष्णु ॥ सदा मायन कनका किरं समन किं  
 यारि वलि नि सं सा व सु क ४ वा वान जाय म ॥ ५५ ॥ यथ यद न वं जाय वय वहा व जा क रु व धायः  
 मत्तु य व वं धं यं दृ द विद्या म म य कं म न्द्रा मा क न द्या मिय व य वा क र य रि व रु सं सा व स म  
 रु सं सा व यं जाय व य धाय विद्या व रु क ॥ ५६ ॥ अथ यद ॥ शुद्धि ग द म द न वं रु य किं क न क थिः

५७ ॥ अथ यद ॥

४

न द य थ क ध कं दृ न गु ण वि द्या थ ध कं दृ न गु ण ध व र म ध कं थ द णा ग र्हे स वा स्यं नि स्यं द ह म वि  
 धा मा स्यं ध ४ थि या द ह य ध कं ॥ ५७ ॥ विष्णु ॥ अथ यं रु वि ना रु वि रु व रि म द णा म यि न म न्द्रं  
 नी र क धु स्य म द्वा दि ष थ नं द र ॥ ५८ ॥ ग थ धा व मा अ व स्यं दृ य गु वि य दार्थे द व न द्वा म द्वा न  
 य व य या क र म नं म द्वा य क म द्वा म द्वा द व रु वा क या धं ॥ ५९ ॥ अथ यि य या न य या द या वि ठि दि गं व न  
 दृ य मा व ना या य नं स म र्च व वा मा या द स थि य य मा व ॥ ६० ॥ अथ यि व ॥ य द मा वि न रु द्वा वि द्वा

विं य व म म्भ न











मजायवयाध्वराजयुगयनि नीमिसयस्य मयकदि वस्यधर्कं॥ ॥ यक४॥ नादयानिहिना  
 काविरुकीयादुलवकीरुवन्॥ नयायावशकनायिगुकावत्यथकवक४॥ ॥ धननेनय  
 जागयाहनानायकालनमयकमदाधवकीयायहामदयकं अंगमदयकं अनकधद्वियका  
 वलसनसर्वं रुतुनयज्ञायाधं वाहावमसज्ञायमरुव॥ ॥ अयय॥ नसिनिहिनिमील  
 माकुसुयकमयिजायक॥ आकावयमवाभानांजनाकावमनेक४॥ ॥ ॥ दूरयावयार्थि

य निमीलकलवाजवधमजायवया दूरयावया युगयनि रमाकाथधारमायज्ञवागानिया  
 खानिसखालजायवयं संरुवमदुधं दूरयावया युगयनि रमाकाथं नीवद्रायमहावधकं॥  
 ॥ अक४॥ यमासास्यनवधनवयुकात्रीनिमिगहयिहुंसक्रासि॥ ॥ ध्विनवरातहा  
 दूरयावयायुगयनि नीमिसयकदुयवस्यधर्कं॥ ॥ राजासविनयंयवहासर्वयनववा  
 य॥ ॥ राजास्यविमकलयंदहास्यविष्कादावविहसमाहयिनायव॥ ॥ किंनयि



समनःसङ्गदागद्विसमांशिवशास्त्रायायिदवत्वंमहद्भिःसयनिस्थितशास्त्रयत्रायः  
आदयगिबोदयंरविमंलानदीयक॥नथामलत्रिकवददीनवर्ध्नायिदियक॥  
गच्छददयगिबिसाद नानावसुसमस्तंमयीयाकजनसमस्तंरजवक्रज्ञवत्प्रभायंसात्यवः  
यवमंगनयानदावदीनजाकिज्ञवसांरंरजवक्रज्ञय॥ ॥कदकयामसत्यगाधामयवः  
यद्वनरुवक्रयमाधमित्यह्नाकस्यविष्णुसर्मन्महामातयुवमंराजयुगात्समयीयासासः

१०

॥<sup>स्थ</sup>थगिनवृचयार्बुजयुगयनिविद्यामयकमावधकांतिमिष्णुस्यकयधर्कंथयवा  
रहायाकास्यविष्णुसर्माकांनानामाययाद नानावसुकाविद्यावराजयुगयनिवद्वार्वा॥  
अथयासादयुवसत्तायविष्णुनांराजयुगाधामययसायकागहासायधुनादवतीरु॥  
थनविष्णुंमंगुहयधुसविष्णादावसयामनयादवादावधयस्यवमविष्णुसर्मासंराजयुगः  
यनिसहवतयस्यविकारंआहूदयकवंलै॥ ॥कायगामुविनादनकासमयविधीमनां

हं२



अथ ननयु मन्त्राणां निरुपय कलह नवा ॥ • वाकाश्च आदिन नानाश्रु ससन स अरुणा सयाहन  
 हानि महात्मान कालह निवा मयस्क नश्च सन सच क रस्यं वा र ह निव द्र र सं मि सा वा र ह क वि  
 वा द थ आदिन का र ह निवा ॥ वा क र व कां विना द य वि वि वां वा क क मी दी नां क थं क थ या  
 मि ॥ वा विष्णु म र्मा स्यं वा ज य क य नि ह्ना ओ वि र ॥ थ गि न धू म क र स न र क क स्यं र य न र  
 ह न सा अ कि अ य र्वे स वा स वा य र य ज न ह्ना य ध वां ॥ वा रा ज य क र कं ॥ क थ वां श्रु

धूम ॥ वा रा ज य क य नि स्यं आ ह्ना द य क र ह्ना क न ह न स ध वां ॥ मं य मि मि क ल क  
 य ह्ना य क य स्या य मा य ह्ना क ॥ • वा विष्णु म र्मा स्यं आ ह्ना द य क रं मि क ल क रं ह्ना य ह्ना न मि  
 क ल क या आ दि ह्ना क ध गु दि ॥ वा अ मा ध ना वि रु हि ना वृ द्धि व क र ह्ना ह्ना मा ॥ मा ध य स्या ह्ना  
 म का थो नि वा क क र्मा म्भु गा य वा ॥ • वा ध न मा या व वा म हा द्ध स्या ह्ना य अ र्थ क दि क व द्धि व  
 क म ह्ना द वा क र व ड ह्ना म का र्थ मा ध य रं वा य वा य व वा द्ध थ य म्भु स्यं ध वां ॥ वा रा ज य क र



इत्येकमकम् ॥ • ॥ राऊयूयं सुमायगथाधकंधा ॥ विष्णुसमीवा ॥ • ॥  
 विष्णुसमीयं आहृदयकलां ॥ ॥ अस्मिन्मादावरीनीव विमान् उभा तनीकवशा • ॥  
 द्विर्न युदावनीयागिरममादाकमात्रविमिमं मद्रुमादव ॥ ॥ कननानादियमादागमावाः  
 गीयन्ति एतानि वसन्ति ॥ • ॥ धर्मिमासनानादिमदभाऊरव्ययं क्रियति याति सवमरयं वान ॥  
 ॥ अथ कदापि दवसनायां रदुचां वरमाय लवुगवनीविनिरुगवनि कुमदिनीनायकवदु

१२

मसि लद्ययननकानामवायमध्वकद्वधुगान् मिव द्विगीयं या मद्रुमं आधमयधु ॥ • ॥  
 धनविशं मद्रुयायुखाय सवलक्रि रगवन्न कमदिनीनायक रदुलं धारिकया दवी धारं नायवरा  
 यादविशाल लद्ययननक नाम कायनरागिया सुधेष्टुलान् सासां वारं द्विगीयं ये मद्रुमवडर्थिया  
 मद्रुदाववद सव रत्नं ॥ ॥ अथ या मद्रुया विवेदशनं न जानकि मगिष्टं यथा यैयानि ह्युय  
 शागदन सवधुममया कालयलिक ॥ • ॥ अथ यविष्ट मरिहसदाव लद्ययननक या

यह नर



[illegible]

कदाचित्कालायामयमसकृत् ॥ ॥ अस्मिन्नेवावस्य चिकित्सायामवकाशकालाद्वा ॥ सः  
 यस्मिन्नेवावस्य चिकित्सायामवकाशकालाद्वा ॥ ॥ अस्मिन्नेवावस्य चिकित्सायामवकाशकालाद्वा ॥  
 वरस चिकित्सायामवकाशकालाद्वा ॥ ॥ अस्मिन्नेवावस्य चिकित्सायामवकाशकालाद्वा ॥  
 यायनं ॥ ॥ अस्मिन्नेवावस्य चिकित्सायामवकाशकालाद्वा ॥ ॥ अस्मिन्नेवावस्य चिकित्सायामवकाशकालाद्वा ॥  
 वरस चिकित्सायामवकाशकालाद्वा ॥ ॥ अस्मिन्नेवावस्य चिकित्सायामवकाशकालाद्वा ॥ ॥ अस्मिन्नेवावस्य चिकित्सायामवकाशकालाद्वा ॥



ॐ एकं धुलकनानां संख्यं ॥ • ॥ अथिंदनिर्दिष्टाय समनश्यानाममदव वाकिदयमयव  
 मदा ॥ ॥ अत्रिच्यतांकावतुदंयध्यामिद्यायनाननक दुलकनानां कनासाकिवयिकथा  
 रुविकथां ॥ • ॥ अथवाकिनिच्यमयासद्वृ क इकवनमकव वहावथनचयकिमवाकव  
 दद्वृ किध्यायविथद्वयद्व ॥ ॥ कंकांनस्यद्वृ कनमग्रयंकमद्वृ ॥ ॥ इद्वृ साधनम  
 याक ४ यधिकंमद्वृ कायथा ॥ • ॥ अथार्थधारासासवध्वकंकांनकादावथलाकायावकां वं

१४

नदवमदायवय आथधूनमग्रयंकमकावकांधमनश्यामायकादवय ॥ ॥ कथाकाडवृ ॥  
 कथमकवृ ॥ • ॥ अथयनियनिसं अमायगयधकंदन ॥ ॥ साधवदीक ॥ • ॥ अजाव  
 वयनिकदा ॥ ॥ अहमकादाद्विधावधववधयध ॥ • ॥ अकनकद्विधावधम  
 ववयंदावदासंख्यं वयायंकनद्वृ ॥ ॥ अकावद्वेशाय ४ ममाक ४ गद्वृ ४ मव  
 कावक ॥ • ॥ अथद्वृ कनमाउद्वृ यावलाकाकम कनकायावयुक्ताविधीयाकिवमवादा



वचनवचनवचनं ॥ ॥ शाशाया नृदं संघीककनगुच्छकां ॥ ० ॥ ॥ चि वनवचनमनया  
 धमवर्धे वां कनविद्यनाधकां ॥ ॥ कभावाका कृष्णकनवित्या नृना वाकिं शाशावचनद  
 यिमं रुवकि ॥ ० ॥ ॥ थअशाचनधयादहावमचि नं वधववयुचयधवाकयाकनविंकय  
 रं कृशायायान धूयादरुमवाहकनमनां वायमं रुवसधकां ॥ ॥ किं तमि वधमइरुव  
 वृत्तिनविधि ॥ ० ॥ ॥ थथिहधनवायवम वनमकवमानि सायधकां ॥ ॥ यकशाअजिष्ठा

दिव्यवाक्यमितायकिर्जायकगुमां ॥ यवाकिविद्यमं मत्तो मुक्तं दयिमुत्तव ॥ ० ॥ ॥ कि ॥ ॥ म  
 वेगार्थी कृतयवृत्ती मंदरुजवा ॥ ० ॥ ॥ यथअकनमनं ममरुयकावधनवायकथिनि ॥  
 ॥ कथावाकं ॥ नमं गयमना वृत्तनवाकदा निवधकि ॥ मं गयं युनवा वृत्तयदिदीवकि यथा  
 कि ॥ ० ॥ ॥ गथअवसा मं गयमवमजायं मनअनमया दवायमदा मं गयय इमजायातम  
 कमां मयनवानि ॥ ॥ कनिवयया मिमावयका भं वृ ॥ ० ॥ ॥ थकनकननिवययायध



वां विरुचयामधुदार्कः ॥ वायुमल्लिका ॥ वां कनकनधकंदहा ॥ ॥ वायुमल्लिका ॥  
 श्रद्धेयैयकि ॥ ॥ वायुमल्लिका वायुमल्लिका वायुमल्लिका ॥ वायुमल्लिका ॥ वायुमल्लिका ॥  
 ॥ वायुमल्लिका वायुमल्लिका वायुमल्लिका वायुमल्लिका वायुमल्लिका ॥ वायुमल्लिका ॥  
 उमा उमा वायुमल्लिका वायुमल्लिका वायुमल्लिका वायुमल्लिका वायुमल्लिका ॥ वायुमल्लिका ॥  
 समश्चवा ॥ ॥ वायुमल्लिका वायुमल्लिका वायुमल्लिका वायुमल्लिका वायुमल्लिका ॥ वायुमल्लिका ॥

१५

यं धर्मोऽस्यायुर्विधिः ॥ ॥ वायुमल्लिका वायुमल्लिका वायुमल्लिका वायुमल्लिका वायुमल्लिका ॥ वायुमल्लिका ॥  
 वायुमल्लिका वायुमल्लिका वायुमल्लिका वायुमल्लिका वायुमल्लिका ॥ वायुमल्लिका ॥  
 वायुमल्लिका वायुमल्लिका वायुमल्लिका वायुमल्लिका वायुमल्लिका ॥ वायुमल्लिका ॥  
 वायुमल्लिका वायुमल्लिका वायुमल्लिका वायुमल्लिका वायुमल्लिका ॥ वायुमल्लिका ॥  
 वायुमल्लिका वायुमल्लिका वायुमल्लिका वायुमल्लिका वायुमल्लिका ॥ वायुमल्लिका ॥



[illegible]

२५ सुत्रिया के ररकावतननसांथकासाडाननकायूर

गान्धर्व्यावरयंददतयादृष्टा॥ ॥याधायथातनागीश्वरकान्तमधिगमथाआलोयमानरु  
 तानांदयांकृत्तनिमाधव॥ ॥थवजिदवात्मागच्छयअमहमवयाथवआत्माआरुथंभव  
 वदयावावक्कासाधुजनधाय॥ ॥अथरक्त॥वत्यात्मानरमानवसात्वद्वृत्तविययायिय॥आलोय  
 मनयवृत्तद्वयमाहमधिगच्छति॥तंअद्वैतिरुनरुखीदारुंमयत्नादहं॥ ॥याधममावधुर्जन  
 वदविद्वज्जनयाहनयननविशरुवयायवडयकावयायनिगैरुनधर्कं॥ ॥कथावार्कं॥द



त्रिवर्गवर्गकयमाययद्वयवधनं व्याधिरस्योयधियधं निरुद्धुकिमोयधं॥ ॥नायधर्गः  
 स्यात्त्राह्मविर्गो॥राकोक्रियुगक्रधिरिष्टं दानवियुगवंदविदयाकयवधनवक्रयाकवियायाकाः  
 श्यमदा॥राकोक्रियुगक्रधिरिष्टं दानवियुगवंदविदयाकयवधनवक्रयाकवियायाकाः  
 नवासवक्रयाकवियायाकाः॥ ॥राकोक्रियुगक्रधिरिष्टं दानवियुगवंदविदयाकयवधनवक्रयाकवियायाकाः  
 वयागवद्वानंसाधेकाविद॥ ॥राकोक्रियुगक्रधिरिष्टं दानवियुगवंदविदयाकयवधनवक्रयाकवियायाकाः

१८

याकसास्यंयादायानधदानमावडलुमधाय॥ ॥राकोक्रियुगक्रधिरिष्टं दानवियुगवंदविदयाकयवधनवक्रयाकवियायाकाः  
 ना॥ ॥राकोक्रियुगक्रधिरिष्टं दानवियुगवंदविदयाकयवधनवक्रयाकवियायाकाः  
 स्नातुं यविगक्रिसवधव॥राकोक्रियुगक्रधिरिष्टं दानवियुगवंदविदयाकयवधनवक्रयाकवियायाकाः  
 वचनददायमावडलुमधाय॥राकोक्रियुगक्रधिरिष्टं दानवियुगवंदविदयाकयवधनवक्रयाकवियायाकाः  
 ह्यययामिनिगने॥राकोक्रियुगक्रधिरिष्टं दानवियुगवंदविदयाकयवधनवक्रयाकवियायाकाः



वारं वा रजतयकायधर्मं सर्वमावद्वद्वानदायावविभक्तययं॥ वनधर्मभासं यथानि कि  
 कार्थं नवाभिवधायनंदुवात्मनश्चास्वराववाकनथाविश्याश्चेन यथायकस्यामध्वरंगवायः  
 यथा॥ ॥ धर्मभासुया० याकसमसं च वस्वरावद्वानदायाश्चतनमद्वद्वसं च वस्वरावमवगत्  
 याश्च आदिन नवगायास्वरावयाद्वद्वनंदुवात्मनश्चास्वराववाकनथाविश्याश्चेन यथायकस्यामध्वरंगवायः  
 कानां हस्तिमानमिव क्रिया॥ दृक् ग्राह्यं च ध्यायं हानं च भक्तिविना॥ ० ॥ इन्द्रियनिग्रहः

ह्यायमद्वद्वयाधर्मो हस्तिमानमिव क्रिया॥ दृक् ग्राह्यं च ध्यायं हानं च भक्तिविना॥ ० ॥ इन्द्रियनिग्रहः  
 कृष्णध्वरयमद्वयकं क्रियामदात्मनश्चास्वराववाकनथाविश्याश्चेन यथायकस्यामध्वरंगवायः  
 दृक् ग्राह्यं च ध्यायं हानं च भक्तिविना॥ ० ॥ इन्द्रियनिग्रहः  
 यथायकस्यामध्वरंगवायः  
 कृष्णध्वरयमद्वयकं क्रियामदात्मनश्चास्वराववाकनथाविश्याश्चेन यथायकस्यामध्वरंगवायः



वसयथाचिदंगुलवक्रज्ञसमं धवशाकावममक वसयाउन हानवावदयिव ॥ ॥

॥ निविद्यनेवासायावकिन ॥ ॥ थथविन्नयवावहृदयाद्यनधमनयायादावननं ॥

॥ अमादं ववीमिककनस्युल्लारुनयाविः ॥ ॥ ववयनियाराजानववयनियः ॥

निहाकं थागाथं मिदिज्ञयह वधकं ॥ ॥ कतर्वेथाविवाचिनं न करुयां ॥ ॥ थकन

यवस्य न विवात्रमयासंज्ञकवनमकवधकं ॥ ॥ कथयकां ॥ राजिवेष्टुमन्नसादेवकध ॥

१०

मरु४ ममागिनाकीरुयकिममविनशासविद्यकाकं मविवायेयत्तकं मदीयकालयिनया

किविक्कियां ॥ ० ॥ गथधारसाकिनकं कीनकं जोधुवनकं नयाअन्नविचक्षधल्लनिवायथ

मकिनकं सामवयं वेगयाकीकिनकं जवायादं गयासाजाविन्नयं ज्ञायाववननिबुययादं

यादावाथीधकनामावावदहनं मरुथमहावधकं ॥ ॥ गगवृत्ताकधित्वाद्याकथासद

द्युडवाव ॥ ० ॥ थथसाजाववयनिययाहृदावयसिनं वयसूनिनअदंकावधधारं ॥



आविमृशय ॥ ० ॥ अमाद्वयधकां ॥ इद्वानां वचनं कार्यं मायका वक्ष्यति ॥ सर्वः  
 गेया विवाचनं काजनययवकनं ॥ इद्वेया यया वचनं इदं कार्यं यामसा आयदायद  
 दुधयं समरुमो निवयया दवानसा माययान अनुवृधकां ॥ यकशा गक्षा किमवमाका २१  
 नमन्नयानक रुकवनिष्टि कि कुरुकरुशा जिविकयं कथं नवा ॥ ० ॥ समरुमं संखाया  
 दयुधिवीमनयमानसं संखा जवदावद्यतयां नया सरयग अमायधकां ॥ कथयकां ॥

शीघ्रानिर्लसं दुष्टकाधनानि र्गर्भं किमायवगा र्ग्यायदीवीव यउमद्वयकागिनथा ॥  
 गथधारमासदां इद्वानकव विद्युदनुमं गा विरुमवाययव क्रियं संखाया दकाव मवया काग  
 नमादावसाद धुयमाद्वयकाया कागिधाय ॥ कद्वत्तामवेकवा का रुकाय विद्याथा ॥  
 थथधायददावममरुवरसूनिधवा किरा जकवनं ॥ यकशा समदाह्ययिगा रुहिः  
 धावयकिवद्वृगा ॥ १४ ॥ वृगा व १४ ॥ यानाव क्रिश्चकला रुमादिगाथा ॥ गथधारमा



महान्नगारुवक्रुन्नगनीकिहृदधरवयाथज्ञवसंसयत्नसर्वंथसंसयद्वदवयंलाकदादाः  
गाहयाशान॥ ॥ नूननक्रुसंवेष्टकं॥ संकिलिकजालनवद्वा॥ ॥ धनंविश्वंममरुं  
याजनकद्वीवमासंवेष्टकयायाजनकनं॥ ॥ यथावतनारुकरुविलसिगाष्टंमवेकि  
रुक्तेकि॥ ॥ यथावतननथकाज्ञाधवांसमरुनंदायाकनता॥ ॥ यथावत॥ नः  
ममस्यागमागद्विमिहकार्यममरुतांयदिवाश्विविरुस्यात्तस्यरुगद्वयका॥ ॥ गच्छधर

२२

साद्युकाशेसंहयावनहवाज्ञायमगवलाकवसंसर्गवकाशेसिद्धवसांतायवकासंडकिरुव  
दवतहसंकार्यविरुकिराकसाहयावनसांदावनद्रयवसिमनवावायादाशंवायव॥ ॥ नः  
यकिरुकासंवेष्टकविदगीवडवाव॥ ॥ यथावतकतायावसिदगीवडाववसुनितवाव॥  
॥ नायमस्यदाव॥ ॥ ॥ नूनमायादावनमद्वकं॥ ॥ येकहाअवदायमायकानि  
नांदिमायायावहृदमां॥ मारुजंयादिवत्सयासंकिरुवकिवधन॥ ॥ ॥ अयसवायववमदि



[illegible]

नां॥ ॥ वियगिमधीयेवकृत्तं संयदसक्रमावकृत्तं सगामयदृगवववन्नज्ञायस्वन्न संयामय  
मवन्न येमवायवांश्चयावकृत्तं नानाशक्तमदनमादृत्तं धृत्तमहात्मायवयमममंयदृव॥ ॥  
अववकृ॥ यदात्या४यवयदीवदाकया रुकीमिदृवां॥ निडाकदा रुयंकाधंमावयं दीयमवकोना॥  
॥ गच्छधारमा यमादायमनश्चानताउगमावकुकावयं सविद्राय यवकृत्तं सनानंथकव कृत्तुः  
ववमकृत्तुनवानमाशंममाशंश्चायकमवाय अवासीदय दीयेमकृत्तं धयमाधयं॥ ॥



दानिंदयवक्रियमां । ॥ आदमकसंयत्तयायधका ॥ सर्वेष्वकारिर्लुयकालमिदम  
 यदियमां । ॥ हृदयममं नकारिर्लुयक धयासत्तवयादं वास्यवनगुधवर्क ॥ ॥ यम  
 शाश्वत्यानामयिदमनां गंहीनिष्ठायासाधिमा ॥ हृदयगुधलमायनवद्वान्मरुदक्रिनः ॥ ॥ २४  
 विक्रयदार्थिषु विक्रयमवदावमवकाशेयायद्वत्ताभाषेयवसायावनगुधवर्क हनयि  
 कमनद्यसंमहेद्विहंतयजिर्वं ॥ ॥ हृदिमोवस्ययद्विहंतयजिर्वं जालमायायकिमाश ॥

॥ यत्प्रविक्रयमायममरुदवयनिंयागलवह्यादमकारसंयुतावदवलकसंवावं ॥ ॥  
 अतनवमंमयायादलावायहावकां संनयलाकायश्चावमाविक्रयक ॥ ॥ यनविश्वंयमाव  
 रदयागलायासीध्यामददावलीवलीवदाहनववविक्रयवर्ग ॥ ॥ संहकारुहवहवकि  
 मजालंममाविहंतगमाहायेदुनियकिआकृदगमयकिमकया ॥ ॥ समरुहवदंगार  
 मृदंजयागवायकायदाहृयक्रियनिक्किदववदावद्ववनामवायधकां ॥ ॥ ममध्वविंयि



यामिकिकान्कयु श्यास्तानिद्रुह ॥ ॥ थनल्लिगिनरुच्यमजिख्यवदावधशववनितासानली  
 दारं ॥ ॥ लूवकंयावृहमवलाशकयागाडुयः ॥ ॥ सवत्तलिहावदसदाववचदनि  
 यनिस्यंधारं ॥ ॥ किंमिदानीमचिदं ॥ ॥ आवथयामहनगथधवकं ॥ ॥ विवगीवद  
 वाय ॥ ॥ विवगीवमजादरवधिनवाय ॥ ॥ मामामिदंयिगायनिसकावणिगंयंहं  
 कार्यवाचकध्वयकवन्निदिगद्वयः ॥ ॥ गामवद्वयवसमावध्वसनायानियादिकयायः

थयसशावरितदावममसंहिककयथमयादावायेयदानभवतयायथमहिकयायसाभवतं  
हिकयायव॥ ॥ कदमसिगंहिरध्वकनाममृत्तयायुकीकिरविगवतनिवमनि॥ साइ  
माकांवाभंभुत्यनि॥ ॥ थतनडमिगद्वयकनामद्वगधुकीयाकिरसविगवतसवमसयं  
वाहधनममयाधरुकिवधुकां॥ ॥ इत्यान्तायसर्वेकहिरयकसमीयऊक॥ ॥ थथका  
यदावसकाशंहिरध्वकद्वयादाथसंवत॥ ॥ हिरध्वकध्वकसर्वदायायसंकनयागकः



द्वाविंशत्यंशं निवसति॥ ० ॥ अहिरथ कनकं विवर्णयन् सदा कालं यवदयकालः  
 यायविक्रयं धनं विद्यालदयर्वायिदायथायुगमायां वान॥ ॥ अहिरथ कनकं विवर्णयन् सदा कालं  
 यवकीकृतं श्रीशुभा॥ ० ॥ अथ अहिरथ कनकं विवर्णयन् सदा कालं यवदयकालः  
 यिकगीवदवा॥ सधिरथ कनकं विवर्णयन् सदा कालं यवदयकालः ॥ अथ अहिरथ कनकं विवर्णयन् सदा कालं  
 कवदावराजावयवनिनध्वरं॥ अहिरथ कनकं विवर्णयन् सदा कालं यवदयकालः ॥ अहिरथ

२३

अकमद्वयनमाकृष्टं संकुमं विवर्णयन् सदा कालं यवदयकालः ॥ अहिरथ कनकं विवर्णयन् सदा कालं  
 ददावयविक्रयं धनं विद्यालदयर्वायिदायथायुगमायां वान॥ ॥ अथ अहिरथ कनकं विवर्णयन् सदा कालं  
 गीव॥ ० ॥ अथ अहिरथ कनकं विवर्णयन् सदा कालं यवदयकालः ॥ अथ अहिरथ कनकं विवर्णयन् सदा कालं  
 अहिरथ कनकं विवर्णयन् सदा कालं यवदयकालः ॥ अथ अहिरथ कनकं विवर्णयन् सदा कालं  
 वयायादमयाशनकादवादवावयविक्रयं धनं विद्यालदयर्वायिदायथायुगमायां वान॥ ॥ अथ अहिरथ कनकं विवर्णयन् सदा कालं



सखकिमकन॥ • ॥ शमिकविगुगीव नुमादागद्यायादावधनधका॥ ॥ विगुगीवावधन॥  
 मिकविमयन॥ अमावयाकनकनदृष्टकादिविगुगी॥ • ॥ विगुगीवनधवा॥ शमिकभवनाः  
 नद्यनद्रयद्रयनिसनयुवकनममकिदयादानावधधका॥ ॥ वागसाकयविगावधः  
 धनंशमनानीवायालायवाधद्रुकासकलायमानिददिन॥ • ॥ वागसाकयसंमायवधनः  
 नानादृष्टययसनधकांधकायालायादाययवाधकाद्रुकासयवधवीरमद्रुकायिवा॥

धुंनं

गदुताविगुगीवस्यवधनंद्रुकासयमर्थकि॥ • ॥ धकाद्रुकावदिवधकाविकुगीवयावासः  
 कनता॥ ॥ विगुगीवडवायमिकमामवंगयाममदाधिकानांयागसावद्विद्धि॥ • ॥ विगुगी  
 वनधवा॥ किनिमसद्रुकाधकिधकावाहकाकयानिरुकिगुकाभिकदिवधकासधका॥  
 दिवधकायाह॥ अद्रुकायवलावकाधकासकासद्रुकायागसाधुनंकाधमहंसमसोरुवाभि॥ •  
 दिवधकावधकावजालावलावाहकाधकासकासद्रुकायासद्रुकावधकावधका॥



ननु तन्मिमांसावद्वयकः याज्ञाश्चिन्नमिमांसावद्वयकः यथागच्छामकयानमिमांसाधुत्यामिमांसावद्वयकः । तन्मिमांसा  
मावद्वयकः याज्ञाश्चिन्नमिमांसावद्वयकः यथागच्छामकयानमिमांसाधुत्यामिमांसावद्वयकः । तन्मिमांसा  
द्वयकः । अस्यावयवमिमांसावद्वयकः यथागच्छामकयानमिमांसाधुत्यामिमांसावद्वयकः । तन्मिमांसा  
द्वयकाकांक्षवत्तु अथानुक्रममात्रं गच्छानवावथो धयनिमानिमांसावद्वयकः । तन्मिमांसा  
नाकः । आत्मयवित्याहानयदाशीमानां वद्वयकं ननिमित्तिविमानममममं । तन्मिमांसा

[illegible]



मातृ ध्यानाथव आत्मा रक्षावदव आत्मा भावदावथ आदिन समर्थं मातृ आत्मा रक्षायाद क  
 मातृ ध्यादं दव॥ ॥ विष्णु गीवाधवदनु॥ सत्यनीकि मावदाह व किह्वह माधी माता दृष्टं  
 साहमहमममथे॥ • ॥ विष्णु गीवनका॥ कामिक नीकि रात्रमथयव अथनंथवदा आशयया  
 दयानदावदृष्टमावक मरुतदावधधका॥ ॥ अथवध॥ धनानिजीविनवेवयराथेयाहृदय  
 कृ॥ सानिगिरुव वंलाया विनाशनियममकि॥ • ॥ अथमयवधमाधवधाहृद॥ ॥

१६

जाक्रियगुहानाक माश्रमयामंयामह॥ मयधुतं हतं वृद्धिकदाकिह्वदविश्वकि॥ ॥ अथवध॥  
 विनावरुधमवकनकका निममाक्रियां कलायाहययनायिजिदयिमाननाशिवां॥ • ॥ अथवध॥  
 वमाजनद्वारियांमदवक्रगावहांमावमकवथयनिर्णयकनजयवयाहमावमवधयनिवक्रवयथ  
 वक आश्रययाहयाहयनिवावक्रधका॥ ॥ विष्णु॥ मात्रामरुयवीयासि निमिहममयकृत॥ वि  
 नश्वरकवायास्ययध॥ यानयनिमम॥ • ॥ लावादीवामथकन निर्मिगयाहमयागवीउधुज



कवसांथविंदमदावातंवाचमदधविठंयमयनिवारयामातशामिकुधका॥ ॥यथायदिनि  
 ल्यमानिल्यनतिमलेवातवादिना॥यमठवायनवस्यकृन्नलवैरुवत्वकिं॥ ॥मदावातंअथिवः  
 मवधारीशवीउथयिदृशविदहयधवीकिंमवाकदावजर्मवाथायाकार्येयमवायंमदकदावमववा २०  
 द्युमावमदा॥ ॥यमशाधवीरगुधानाकृद्वमलकृन्ननृवांशवीरंकदाविधोमिठवात्यानृवां  
 यिनागुहाशा ॥ ॥धवीरवगुनवज्रुकिजुक्रवाकाधवीरकृद्वमलकृद्वमायुवगुहावकः

ल्याकृन्नममाका॥ ॥इत्याकृन्निहिरुधकठयद्वमनठयवककस्यान्नवावा॥याधनिकमाध॥  
 ॥यथ्यविकगीवनध्याददावहिरुधकआनद्वद्रयावआयायमाननध्वरंशामिकमाधमा  
 धृष्टधका॥ ॥अननाधिमंनवात्तवधकेलायासायिवरुतंतयियज्जगता॥ ॥शामिकवि  
 गगीवमाधयकावधद्वनधवयाआधिकयादवाहयनिरुवयंवनयिमासकनकेलायासामीरु  
 द्वादिद्ववमानंष्टुयज्जवधिवधका॥ ॥यमल्लासर्वयांवधनानिकनद्विन्नानि॥ ॥धकः



[illegible][illegible]



रुयामिं देव वरवक्र धर्मा ॥ अथवाशोमेवाकृतिविद्विषयि विदग्धभ्याम्याम्रवत्या यदं  
 वद्वान्नियुनेवगादृगलित्वास्मत्स्याः समदादयो ॥ दूनीकयकिमस्ति किं सुचरिर्नकश्च नलाय  
 युष्माः ॥ वाशोहि यमनः ४ यथा विरक्तवायुकाकिदूरादयो ॥ कियवाश्चानिथं कृत्वा लिंभाय वि  
 रुगीवयस्ययिकः ॥ मयविवाययथयूदगाशयी ॥ ॥ अथवाशोहि यथा कन विरुगीववा  
 धरवावशुनिथयादावशालिं गवयं विरुगीवयवयनविदग्धवावयमस्य वरवयनिनयिकः

२२

थमथमययादमगवर्तः ॥ ॥ हि वधु कसुविदग्धविदग्धः ॥ ॥ हि वधु कथवद्वयारंद्वारं  
 ॥ ॥ ॥ अथवययकनवाकि सर्वदृक्कानंदगीसाश्चयीमिदमाह ॥ ॥ अथनंविथममक  
 दृक्कानंसासांवा दलययकनवाकायनशुनिदीकुवासासांवा ॥ ॥ हलाहि वधु कसायासि  
 ॥ ॥ गार्थिगृहि वधु क महागुधवक्रः ॥ ॥ अथाहमयित्वा सदनेकीमिद्यमि ॥ कसासां  
 मयानानयदीकुं गहसि ॥ ॥ अथवद्विर्नमिदयायवांशो योयथकनकवमिदमंगहयाद्वनध



कां॥ ॥ ककुत्वाहिरश्वाविश्वानुवासाह॥ ० ॥ यथालययकनकनधाराहदावहिरश्वाकन  
 धमशारद्वनशादावमरकहवां॥ ॥ ककुत्वा॥ दृष्टुधकां॥ ॥ यथालययकनकानामवा  
 वायसाहं॥ ॥ कात्यनधारावलययकनकानामवात्यजधकां॥ ॥ हिरश्वाविहस्याह॥  
 ॥ हिरश्वाकनहिलावधारा॥ ॥ कात्यशारुभेकां॥ ॥ गथहिरश्वाविहिरश्वाकां॥  
 ॥ यथालययकनकानामवात्यजधकां॥ ॥ ककुत्वा॥ दृष्टुधकां॥ ॥ यथालययकनकानामवात्यजधकां॥

३३

॥ यथालययकनकानामवात्यजधकां॥ ॥ ककुत्वा॥ दृष्टुधकां॥ ॥ यथालययकनकानामवात्यजधकां॥  
 यकनि॥ ० ॥ गथधारावलययकनकानामवात्यजधकां॥ ॥ ककुत्वा॥ दृष्टुधकां॥ ॥ यथालययकनकानामवात्यजधकां॥  
 वलानवधमवकात्यनरुवयादृ यधकां॥ ॥ वायसायकाकथमरु॥ ॥ लययकनः  
 कनधारममायगथधकां॥ ॥ हिरश्वाकनकानामवात्यजधकां॥ ॥ हिरश्वाकनकानामवात्यजधकां॥  
 धारावलययकनकानामवात्यजधकां॥ ॥ ककुत्वा॥ दृष्टुधकां॥ ॥ यथालययकनकानामवात्यजधकां॥



नंथायसमश्चदश्यासिमियसवयवकविश्यावनाठरसकांताकावंसाधुदलिनामंगयाद  
 कायवववाववसवयंवाह॥ ॥सवमुगःश्चदुयायविजायनूहाङ्गुमाववावलाकिन॥  
 ॥भृमनथवःश्चनकुमवयंकायावयुहाङ्गुदहयादवांयुङ्गुमकनरवत॥ ॥मममा  
 लायाविक्रयदशो॥आकथमस्यमासंयल्लनिमंरुदयामि॥ ॥थववावदावङ्गुमकनरि  
 नुवयवं॥गधिंयधववायावाभयवर्तकिंयवागथानयधवं॥ ॥रुवठुविवांसगाः

२४

वदत्याकयामि॥इत्यालायायगुहाववीकु॥ ॥आवयाथवकाविष्णुमयावकयविमा  
 ननिनायधवंथयविक्रयवावसयकिहाववादाववाव॥ ॥मिगकधरक॥ ॥शामिक  
 कणवडाववाधवं॥ ॥मदक॥कनःसमागदुमिकर्त॥ ॥युगनधावगनधववाय  
 सधवं॥ ॥जुमवादक॥कदवद्विनामजंवकाहंमवधुगवधुदीनांमुकवद्वमामि॥  
 ॥जुमकनधावकदवद्विनामजंवकाङ्गधवनमवांधवमदानसिकावाहाथवादाधवं॥



ॐ नानिर्वाणमिहमासाद्यतमावधुजीवत्कार्यकिष्ठादसि॥ ॥आवधुमिहवनायबादावजय  
 नजन्मयादंश्वाकगुपुथिंयवध्वदमाधकं॥ ॥अधुनाकयानयवध्वदमयाकविकथं॥  
 ॥आवधुअनयवध्वदसंवाधकं॥ ॥नककावदरुजककगवनिगमीविगारितीमृगस्य  
 वासुमिगमा॥ ॥धधमहासंवाधकगवकआदित्यमोअयुजककयावमृगयावासथाय  
 मनकंयनं॥ ॥ककधम्यकभावायांमवद्विनामकाका मृगस्यविभंवसकि॥ ॥अथज

ॐ

मृकवनायंमृगवासवमृगयामिहमवद्विनास्यवम्यस्तानसिमामयानं॥ ॥वायभावदकि॥ ॥का  
 यनधावं॥ ॥सस्यमिहंमृगवाययंदिनीयं॥ ॥सामस्यमिहंमृगवाभायासामधकं॥  
 ॥मृगमाइवक॥जवकाइयंममाकिठमहमस्यमिहनायाक॥ ॥मृगनधावजमृकनडावमिहयाय  
 ययंवधकं॥ ॥काकाइवक॥वयस्यआगवुनीमहविष्मासानयक॥ ॥कायनधावशामि  
 कअभावविष्ममयायमकिठधकं॥ ॥कथयार्क॥अहककलधीनस्यवासववनकस्यविह॥



माहोदयदिदायनहमागुहाजवज्रवश॥ ॥ गन्धर्वमा॥ कलगीलवद्वारममयान्नवासविय  
 मकव रुकिममविमावगजलज्वगुह रुकियादायनधममाकदवस॥ ॥ नावाहुरु॥ कथमन  
 ता॥ • ॥ शुभनध्वरगुमासगन्धर्वक॥ ॥ काकश्चकथयनि॥ ॥ कासनकाव॥ ॥ अरिः  
 शागिबधिरगुहकदनामयवर्क॥ मदान्यक्रीटीवृक्ष॥ ॥ गन्धर्वनंदनसगन्धर्वीययानियमगु  
 दकदनामयवर्कमकवधदगुहक्रीटीमिमावृमादव॥ ॥ मसुवकादवद्वेवद्विद्याज्ञतिनयनीः

३६

जवज्वानामगुहश्चकिदमकि॥ • ॥ अशिमारावासादेवराकनामअश्वजलज्वनामगुहवृक्षः  
 वमवयंवाय॥ ॥ गन्धर्वनायकवद्वामीनःयद्विषश्वादाभनुकिंविक्किविद्वदाकि॥ • ॥  
 धम्वरावकावधमधमिमारावमवयंवाययद्वियनिस्यंआदावविगायविगायविगायनव॥  
 ॥ कनासीजीवकि॥ ॥ धनआधमवराहवादावयानं॥ ॥ अथकदाविदीयकधुनाममाज्ञावः  
 इयद्विषावमोकावृकयियुंनवागग॥ • ॥ धनलीधवृक्षयायस्यवमदीयकधुनाममरुकिनयः



यावत्प्रसन्नं गन्तावत्कामायममावाधत्तं श्रयमरुयावत्प्रयागमिदमंयान॥ ॥रुद्रश्चायकः॥

दयमानं दुर्बलाय हनन्त्या इति मया ॥ ॥ गृहलयाय मया कृतं मां यदि कस्यचिन्मायितनं ॥



हवकास्यंङ्मावकासकवसाधकं॥ ॥माङ्गीरावदलि॥ ॥यमांतावतमववनं॥ ॥रुनि  
 नधायकववननिहदाधकं॥ ॥अमादहंयदिवशरुदाहंमया॥ ॥धरमङ्कनमावकासमी  
 मावसाधकं॥ ॥यमथाङ्गाविमाकुलकाधिलिहंयमयशककविक॥ ॥यवहायंयविहायव  
 वधायकायवारुद॥ ॥गथायवमाङ्गाविमाकुलमङ्करमवमावकासायुजवयावययय  
 वहावमायावद्धाङ्गायुजवडायजवयाययुजवहामायययायमावकाङ्गाङ्गावमावंध्याययः

३६

धकां॥ ॥गुहाद्वदक॥ ॥कथंरवानवविकं॥ ॥गुहधधरवृत्तमङ्गाकवविकगथधकं॥  
 ॥माद्वयदीन॥ ॥दीर्घकधूनधाय॥ ॥अहमरुवांगमीलनित्तमायिनीरामियाव  
 क्ववय्यंवाद्यायनकिष्णामिवविकंरुनं॥ ॥धर्देगंगमीरमनित्तमानयाहावनीरामाः  
 मियाद्वक्त्रययधववयंवाद्यायनवमववयावयाहा॥ ॥ययाधधमीहानममविश्वामः  
 रुमया॥ ॥यकिष्णममाययसुवकिष्णमारुवहाविद्यावद्धयाधमीहामुंमहमयायारु॥



॥ दूध मेहन शास्त्र सवधकं कृतविष्णु सयाक यक्रियनिस्यं कृद्वनद्वयमंसाह्ला वधनद्वय  
 मेशास्त्र सवधकध मेशास्त्र दनतविद्या सवधकं दहनकथनवया ॥ ॥ रुद्रकुक्षिमाह्लाधि  
 मेह्ला यत्नामगिथिदनु मयगां ॥ गृहसूध मेह्लाया ॥ आवाययुविकं काये माकिथं गृह मायगां गां ॥ ३८  
 दुवाधैगगां द्यायां नायमं ह वरुममा ॥ ॥ अययवा यदान रुवकि कदायी ननवरमायिमावदाकि  
 थियुकां ॥ ॥ थवद्वुमद्वुगां मदनस वं योकिववनतनखिवं मुकिथियुकायाया ॥ ॥ रुद्रावा

कां ॥ रुद्रानिरु मिषदकं वाकुरुथिरेमद्वुगां ॥ नगाययिसगां गहनदिद्यनकादावनं ॥ ॥ द  
 वधं मावयावं नखिनं वायथायद्वुमिथनदिसनधकं आदवधमात्तावववननं वयादिनशायि  
 गावराधकं धयगाथिवं मर्द्धयागृहस मेग्वरनं मदयमद्वुवा ॥ ॥ अयवका निगुलव  
 यिमद्वय दयाकवनि साद्विवहानदिमं ह वरुकात्सां वद्वुवाधुववगनि ॥ ॥ निगुलव  
 द्रवमनं साधुजननदयायागयमाथं धारमा मायुमवा वद्वुमासां वद्वुवायगृहस कयं सम



संतुष्ट्यादस्य रथकाशं धर्मां ॥ शुद्धवदन् ॥ माहोवादिमात्रवयः यज्ञिभावकाश्च  
 निवसन्ति ॥ कनेवंधविभिः ॥ शुद्धनधाय ॥ शुद्धयुव रमिवासायकवदन् यज्ञियावाकाध  
 मिमासावसाययंवागुधकनगधुमायाधकां ॥ माहोवादिमिस्यद्वाक धूम्युमादिदन् ॥  
 ॥ रुकिनयिधिधियावद्गमयाकधियावधाय ॥ मयावधमधुमं धृत्वा वीरगालगद  
 क्त्वावकमिदमधुवसीक ॥ ॥ जनधममागुदहावतिशरुनदक्षवक वतनयंवाहा

४०

धर्मां ॥ यकशायवस्य रथिवदमातानां मयिमानां माकाधमादिनायवमाधमोऽस्य केव  
 मार्यां ॥ यवस्यवतानां मागुमद्वास्थं कया ह्यामिन्वं अदिनायवमधमोधर्मां धमस्य  
 धर्मां ॥ शुद्धवदन् ॥ सर्वदिना निवेरुवाववा ॥ सर्वसदाध्या ॥ मवेयाधयकुकाश्चकन  
 वामयोमागिनि ॥ ॥ शुद्धवदन् ॥ नकन ॥ शुद्धमोनिधमयानयाकियशा ॥ विवधममना  
 जंमवेमयवमवृकि ॥ ॥ विवध ॥ यारुयमयदाता मरुथा ॥ यधुताकन ॥ नकस्यंकाधिका



श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ १ ॥ ॥ वाततन्त्रवशात्तन्त्रनिर्मात्रं शुद्धं आदिकथाकृतवक्त्रं ॥  
 याकृतनाकमयवाधवक्त्रयायाधमाक ॥ ॥ अथवक्त्रं ॥ मृदुयामिनेयदृश्यं यद्वयस्यायः  
 जायते ॥ गच्छन्तु ननु मानस्य यथायिदिरिचिदं ॥ ॥ मियवायायायधदयाधयादृश्यं ॥  
 नांमदाथयनमाननधवधकनरुनयमवननायकाकदाववमरुनयमान ॥ ॥ स्वद्वन्द्व  
 नडाकनमायानावियद्वयक ॥ अथद्वन्द्वं दृश्यं यदृश्यं यदृश्यं यदृश्यं ॥ ॥ अथमथमव

४९

नाकवमदायवयमागयाकनस्यं यमथं दगावथयिंययानथंनवदीधेवनकावदयादरयानि  
 मिरुनमवयायाधकास्यं मदायानकमनानयायव ॥ ॥ सर्वविशेषकवकादवयिकथा  
 वमादिनयमवयमायकिमावकानकमकणनियसादकि ॥ ॥ अथकावदथमवयमिथं  
 नकंविश्वयावकं दृश्यं वक्त्रं ककिमिमाकासवानं धनविश्वं मंगवमदमायाव मंगवाकाकायाः  
 वशिमाकासनययनं ॥ ॥ अथयमांमयस्यानिखादिकानिखेष्टाकाकाकाविश्वयदिदि







[illegible]

नमालुवालुवहंसवेवकवविशंकावायसखिहिहिहियर्कं॥ ॥गुमानधायनामाध्यायाः॥  
यथ्यथडगाहकनवाहावध्यायायमाङ्गस्वर्कंनयविशमयाहसत्यनवाहनधर्कं॥ ॥  
काकनवममु॥ ॥कायनधायनहननरधायथधर्कं॥ ॥यामहसवेयथमिभकः॥  
दगगका॥ ॥नकदाकनजव्यानसतिहकमर्कं॥ ॥थनंलीनमहावथमगूयथागू॥  
थयसवनं॥ ॥जंयकननवकवसयकहंवंहावसुगहाक॥ ॥सयगुमानकमिन्ननेकाद



॥ गंधस्य यं धृक्कर्मणि ॥ नददंतादग्यामि ॥ गंधाशुभमकिममुवा ॥ यत्तदंभस्यं चदति ॥  
 ॥ शासुगधवनाद्वरमभ्युद्वेष्टावदवधजनधुवनधवं वादयहावकादावन्निर्धः  
 मृगघनरवद ॥ ॥ क्रुद्धयगिनादृष्ट्यायागसुगदिव्यादिगा ॥ ॥ धवध्वनसदा ४४  
 वधवसयासद्वुर्ग ॥ ॥ अतनूनयूनवागतामृग ॥ यामवहाद्विचक्रयन् ॥ ॥ धनः  
 विधायनवायनरवहाव मृगयासनकादावचिन्नययं ॥ ॥ कागामिह ॥ दान्तयाग

॥ कुरुमिवादन्य ॥ ४४ मर्थ ॥ ॥ मवनमानानंकारयामवकुल्यमववयायाधनकादृजः  
 वक्रययिवमिधनयवमधवं ॥ ॥ अशान्नमज्जवका ॥ ४४ कलागलायस्त्रिगादचिन्नयन्  
 ॥ ॥ धनलीत्यधर्जध्वकाधववायामनकादधायमवहावचिन्नययं ॥ ॥ रुचिकताः  
 वदस्माकं कयकयवत्थनमनारथमिद्विरयिवाकल्यानारुविश्रमि ॥ ॥ यकशा ॥ नकः  
 स्यात्कल्यमानस्यमात्राश्रुति ॥ कायस्त्रिखल्लेगादियाक्यानि ॥ ॥ आवनिरुत्तरयवाकः



कयठडयाययायरावनमनवांमिमिद्विद्रवायवानयदयनाधकां॥ ॥धयावावाथसंम  
 नूयानयंदायातानहिनयदकासखिननयदयमसाधकां॥ ॥मुगकमावाश्यानामि  
 काइवका॥सस्यधिनितवधनंवायसमांसलवं॥ ॥रवाधजंवकाववयदावमगायाः ४७  
 वधार॥मामिकुधयासहकिनरकायाइनमथानधकां॥ ॥यक४॥आयलामिकुंजानि  
 यायद्वधुवंधनधुविं॥मार्थीक्रीहयविकुययमनयववाधवान्॥ ॥मिकुमयइवं

आयदागारमयंमंमामसधुविगीतधायइवंयवधनादिमनिर्वाकिन्नकीवायइवंय  
 वधनमाकववसदविदमावाधवमयइवंयववयवदास्यंरकायाकम्॥ ॥जयकमं  
 मद्रुविनाकाविकुयका॥हधंवदकावदयसलवं॥ ॥यलमृगनकायावकंवकनयामवा  
 रंवारमायावविकुयवंकाककंमारकियमारधकां॥ ॥यकवसाननिमिमावकया  
 मरुकायमयकृदावकावासवकृ४॥मामिमिकुनाचधकंयंययमालयावकयंकः



लयावकं र्थं॥ ॥ जम्बूनधर कामिकुम्भमाउद्धवावधूविधिरतथविगुदादशीव  
 कवललयं वादाथिद्वयकसगल्युमायासहन कामिकुम्भयनवानमया कनमहावां ननया  
 याथुंजनरुकोमयाधकां॥ ॥ अतकुरंकावः शुभसमागममवगत्यानिश्चयथाविधेदः ४३  
 ह्यवदन्॥ ॥ अतलीमुगयामिकुम्भवद्विवायनमुगमवयावखदवंत्याधनकादवा  
 दयदावधारं॥ ॥ मरुकिमकम्॥ ॥ कामिकुम्भमाधुधकां॥ ॥ मृत्वावकावः

वधिशिरसहदायासहनं॥ ॥ मुगनधारं सहदयदाववनमहदायारुलंधकां॥ ॥  
 तथावाकं॥ सहदिदिगकाकोमानांयधुल्लामिनगायिकां॥ वियलांतिदिगायसमनयः सध  
 नदनः॥ ॥ गथाधारमाधवकादिगयायनज्ञाकहकियावचनमहदम्भधन धथवतंः  
 आयदामावकावधकयाजानदयाकधाय॥ ॥ वावावका॥ सधुगावः॥ ॥ वावः  
 नकारधंनआवयधकां॥ ॥ मृत्वावकां॥ मत्माजामिकुम्भनेव॥ ॥ मृगधधरज



लक्ष्म्यायाहं वानधकां॥ वाकायादवदका॥ मिश्रुडकमवमया॥ वाकायनधाय  
 जननधायवाधकां॥ अयराक्षानमरुकिनेवविश्वामकारवर्धं विद्यतादिर्गमस्याः  
 रुयंगुनवनामयि॥ वागायवावकसी धारवावजंयकाववका गथाधुनयायकमयाः  
 दाधकां॥ वायकशासंतायिकानांमध्वयवकाकि॥ मिश्रायवावेधुवमीशमानासाआधा  
 वमाधदधका॥ लोकां किमयिनाम॥ अयिकवमासा॥ अयवका॥ डयवालिनिविशुड

४१

दृष्टुर्दमनीय॥ वामाववकियाय॥ कंरुवनकयमलिनंरुगवकिवसदधकथंवरुशि॥  
 डयकाययायथंरुनकां कयकवयलवयाययाकथयिंयुपिरुवनमंमलिनयायि रुगवकिः  
 युधिष्यंगथावृष्यंकरुल्लयकरु॥ वाअथवायिकिरियंदर्जमानां॥ वायथनंदर्जने  
 यामर्जकथथयव॥ वायाकादथा॥ यककितादकिद्रुमात्रं कल्लिकवननविवाकिमः  
 नविदितां॥ दिवनिवृष्यकरुमावविमल्यधकि॥ सर्वतल्लयवनिर्गमसाकंकावाकि॥



म अथावसा दृष्टं धव यमिव दृष्टं सावग अयमिति याग अथं दृष्टं धनयायव ॥ इयां वाकि स  
 निद्रायव धनं लिङ्ग रव्यं वनद्रायव द्रुमयाग वस विविगुहदा विवा धनलिङ्गिद्रुमायाव द्रु  
 विस्ययद्वययायव ॥ ॥ अथयसाग काल मद्रुययमि ॥ १८ गुड हस्त संयदभमागक द्रुन ४८  
 वलाकि ४ वायनावलाश्वार्क ॥ ॥ अथयवाहवम धनलीथं नमदाव धवधनन अंग  
 कदाव यागिद्रुसं गाथा कदम कदमाययाह ववयदाव वायन विनययाव वाव ॥ ॥ मि

कृतमात्मानं मुक्तवत्संदस्यमि सुहायदा हं गइं वागमि कदाव मद्रुयय मल रं नयरीयमि ॥  
 ॥ सागमिद्रुगच्छ मिवाद्रुस्य वादाजन कव गइं वादाव वाव मथानं वय ददाव विम कृतिधव  
 ॥ ॥ कक ४ कययमि नाद वा द्रुम नयनतावलाकि ॥ गथा विष्ठा मुगावलाश्वार्क ॥ ॥ आ ४  
 यं मुक्त कृमि मुगं वधं नाता वयिता यागात्वा वरिहं मयमाव रुव ॥ ॥ अथनलि अं वधननः  
 यवाकं ददाव आन द्रुयाहं रं गायाव माव वातनस्य दार्थ मिवाद्रुयाव वाह मुगत्वाव वा



[illegible][illegible]



युवकस्यायि मनानाया निविश्यां नदिनाययि युंज्या गवाशु रुधात्तया ॥

॥

गच्छाश्वराया माधुमत्यवयवायकलापनं मकि विविकीया सर्वं नमदुवयुवमाथं धारसाया

यसामदयालंतामीनकायकमदिवथां ॥ दिव्यकायकावयलसंययनमदः

५०

सदृशवैश्यायिनकलेवां ॥ दिव्यकायकावयलसंययनमदः

॥ कथायकं ॥ माहो गमादिया मयः वाकः वायुवयुक्था विष्णुमायकवयुक् विष्णुः

मरुतनादिकः ॥ धवाथं नीमि सजायाह दारुनिवमयावदसिवकायवकायुः

ववधुवविष्णुमाया संकुमया विष्णुमाया कमाहिकमदव ॥ धरुयदुगवानमावा

॥ विष्णुयदुदयनिमगदुयदुधकां ॥ उकाधधरु धां नदिमंदशायासि

वृतायिसधिनानामककनयिवा नीयं समययवयावका ॥ धरुवमाधियायवाम

यनसाधिया कवयसवं मरुदयि विधिं मरुदनायकावका कवं खरुवमवं अग्निमाहं माद







जनयुक्तनकाद्यदवदृक्कदश्चासमल्ययः॥ ॥ वाधववाक्ययाकथंत्वारनंज्ञेधववा  
 वदावहाधमदिवसजनगुधिकाजनववारसर्वंमवधेयककययाकथंत्वारनकस्यंहा  
 निवा॥ ॥ दवत्तासर्वलाहानिनिग्रीतामुगयक्ति॥ त्वयात्ताकाश्चमस्वीर्णंमंगरंमंदनना  
 त्वां॥ ॥ अयंरंवरु॥ ह्लातागकांमङ्ककमिश्रक॥ लहदयिसाधुजनानांगुधानाया  
 निविक्रियांरंत्वायिदिमृष्टावाधंमनवश्चक्रिकव॥ ॥ अयश्चाधुमविर्वालागी

ज २

मासौश्वसमानश्चास्वदृष्टका॥ दाकिशंरानरकिश्चास्वमवमयाकका॥ ॥ नमोमुहवः  
 यक॥ कामयाय॥ द्याकय॥ ॥ लययकनकनधारश्चकमुहनमयचजनवसमिकर  
 लायधका॥ ॥ दिवश्चकावहिनिम्बुह्लाह॥ ॥ दिवश्चकावहयिहावयावधारः  
 ॥ ॥ अथायिमाइहंरुवकाननवाश्चायुक्तन॥ ॥ अथायमानवावत्ताइववनः  
 अयुक्तधका॥ ॥ कथायका॥ यमारुक्तनसमिकजनस्नानमह्वावलि नधीसुधुविलयः



[illegible][illegible]



॥ अथ कालनथयतिमिह दयावहिरश्चकनरययननकाशुनआदिननसहाययादा  
 वथवदुसावंददावलययननकाथवथायंवन ॥ ॥ कुरुधवाययदमयायादावदानन  
 कानलयलेविशंकावायधवावाविबलेका ॥ ॥ अथनविधयतिनकादिथंमयायनथ  
 थसुनआदिनयिविधिविधादनकागलसवादसादविशमनानाकाथाहायावसादायायं  
 हनयान ॥ ॥ अथकावायसाहिरथवागाह ॥ वयस्यकरुतयादावमिदंथनं ॥

४

दूकयायशुवमकननकावावचययननकाहिरश्चकाहागमिहयययसुनमावथा  
 काधकां ॥ ॥ कदकत्यवित्यकासुनाकनंवागुमिथमि ॥ ॥ अथयकावगंमनवन  
 कावयाधकां ॥ ॥ हिरश्चवाकुकमिहकागकयां ॥ ॥ कामिहिरश्चकनकाया  
 मनवनधकां ॥ ॥ कथावाकं ॥ किमुंलकनयादनरवलयकनवद्विमानुसनाशमीक  
 यवस्यनंयुवमायकनंलका ॥ ॥ वायसावदकि ॥ अकिमिहसुनंममिवयि ॥



तययननकांशारययधितंथायसस्वस्यंकयादवयधकां॥ ॥हिरधवावदकि॥  
 किमककु॥ ॥हिरधकनधारयधिंगुथायधकां॥ ॥वायशावयेंदकि॥ ॥  
 कायनधार॥ ॥अहिरधुकावधेकायुवलोवाद्यांसवधगुविनुकावायकिंनश॥  
 यियसदेतामद्वराकिधानःकर्मसककधामिवा॥यकिवसकि॥ ॥यधिवंदः  
 धुवारधुमिसकयवलोवधेयानामयुधरवीदवा॥धयुधरवीसककावावयामि॥

५७

कअकिधियसहदसद्वरधायानामकायववमरयंवाहयुगिसककधमिवा॥ ॥  
 यकठयवायदहयाधिरुसर्वेयांसकावद्वुतां॥धमिस्वयमनस्यनंकायविदुमदात्मनश॥  
 मयमत्यादावविहयमासद्वदिययकि॥ ॥धनमकावयावकांगरीववहमानया  
 यधकां॥ ॥हिरधवावदका॥कमानयाजावस्ययकिंकरुयां॥ ॥हिरधवा  
 कनधारभूमधकनदावद्वमदयकां॥ककधनवादावययधकां॥ ॥यकशायमिः



दुष्टानामानं नमिना विववा श्रवानव विद्यागमकाश्चिह्नं दशंय विवर्द्धयन् ॥ ॥ ॥  
 माथं धारमाय दशमं धनं सत्त्वा रयाह धममाय याकां मदगदाव मित्रवध्वं मदगदावः  
 विद्याशामु सवं मदगदाव धर्षिगुधाय धर्षिगुदशनाय नमाय धर्षकां ॥ ॥ ॥  
 श्रयगुनविद्यक नक्रयाह गमस्त्रिगं धनिन धरिथा बाजा नदीवेद्यरु यक्रमः ॥ ॥  
 धदागामदथा यमवस रयमगव धनिह्यि बाजा लवेद्यथरुधकां ॥ ॥ ॥

५६

यिकुनय ॥ ॥ ॥ धनतदजुमाय यमवाहयदाधकां ॥ ॥ ॥  
 ह विविगुका थलाय सस्य सवसः ॥ ॥ ॥  
 सहिगनताना विविगुका थलायाव सद्धरवादाय यवीया समियवंदा ॥ ॥ ॥  
 दयादवला थल ययकनका था वृद्धया कि थं सत्त्वा रं वकाव ॥ ॥ ॥  
 सायितन मद्धवध सदाव वयदददवदावला वका थ कि थ याकां ॥ ॥ ॥







नहि वध्या कश्चादन्ननयुजायौ सत्कारव्यादनधारा ॥ ॥ कदात्मना निहनेन वनागमनका  
 वनमाख्यातुमहेति ॥ ॥ अथिंयनिहनेन वनमायाकारधमसुधुंजकनधकां ॥ ॥ हि  
 वध्याकावदकि ॥ ॥ हि वध्याकनधारा ॥ ॥ कथयामिषु यमां ॥ ॥ जनज्ञायदकनधकां ॥ ॥ ८  
 ॥ ॥ अस्मिन्नयकायांयुर्विवाजकायांयुर्विवाजिका ॥ ॥ अस्मिन्नयकायांयुर्विवाजिका ॥ ॥  
 शिद्धवगवयंवाह ॥ ॥ सवकाजनावाशिष्टिका नमसहिर्गिरिकायागुनामददवकायु

वस्ययस्ययिनि ॥ ॥ अस्मिन्नयकायांयुर्विवाजिका नमसहिर्गिरिकायागुनामददवकायु  
 वनागदधुविलिगुवागसयास्यंरया ॥ ॥ अस्मिन्नयकायांयुर्विवाजिका नमसहिर्गिरिकायागुनामददवकायु  
 जनधयास्यकया अनेलवावादनननयदा ॥ ॥ अनेलवावादनननयदा ॥ ॥  
 विवाजककश्मागक ॥ ॥ अस्मिन्नयकायांयुर्विवाजिका नमसहिर्गिरिकायागुनामददवकायु  
 जननानाकथायसकावसिभा ममदासाधुंजकनधकां ॥ ॥ अस्मिन्नयकायांयुर्विवाजिका नमसहिर्गिरिकायागुनामददवकायु



धात्र्यायं चालङ्कारयनं यं गुरुतामवायावद्व्यायनं धायायार्गं ॥ विना कर्तुं डवावा ॥  
 किमि किममकथामकवात्रिवक्ताद्व्यायक ॥ विना कर्तुं नवावयवतजिनद्व्यायकि  
 दत्तं सवकमकथं सवककवधकं ॥ अवाकधुडवावा रुदनाहं विवक्ता ॥ किं नृपश्वय  
 मयवा ममायवा रीमदावा किरिज्ञानरुयकि ॥ अवाकधुनवावयवमकथामयवः  
 नृद्वत्तदहाशयधजवमनं धवृववमनं न्यादाह धवृं जकमयवावयाकमयावातं दारि

कोह

कायाकमवाहजुनेनवयधकं ॥ विना कर्तुं नावावधुर्कविनायाह ॥ कथं मयव ॥  
 स्वत्यवलाद्वयमतावद्वं यावद्वयकि ॥ कलावननाककनाकि यिरुविमयं ॥ अथव  
 जाकधुनवायाव विना कर्तुं ननागदधुसायावधवा ॥ गश्चधुविककिवलननथविककतायिनः  
 वाववावद्वकाथया मवकाधुमिनं वावनमदयमहावधकं ॥ उक्ता ॥ नाकसायवः  
 निहृद्वं कमाकाकाधुमकि यकिं निहृद्वमालिं गहृद्वरुकरुविथकि ॥ अकसावाव



[illegible][illegible]



थयममिनश्चयामंभायमज्जवं॥ ॥यमश्चममिनवहिनार्हेतुतांयमोलातांयवाविवामः॥  
 नानयामकलीनांजरायीत्यादिययमी॥ ॥यमाथंश्चावमाविकनदीउचयंदरिद्रिक्तयायदः॥  
 माथंमायनदीउचयंदरिद्रिक्तयायमथमाथंश्रीयायकमवदज्जानतयिउचयुक्ताथयममियावा॥ ३९  
 ॥ययय॥यविकनयिहयुयंमकासामकामिमा॥यिजाभिवमयनयदयमेमन  
 महीय॥ ॥सवद्वेयकिनस्यामकिवानरागवान्॥यकठाधनासाजीवितासायगुवीया

नरुगांसाका॥वृद्धस्यकवनीराश्यायानस्यायिवगियमी॥ ॥थयवृद्धयममिनश्चमिमाः॥  
 अकिमकठयुमाथंश्चावमाधनदयकआमायायआमायानियायुववंआकावृद्धयाकवनिर्मु  
 षाभायानयामिचं॥ ॥अथ॥नायशाहुमन्नाकिविषयाकलिमयिनीदमसेवजि  
 द्वायालाधिकववं॥ ॥यमाथंश्चावमावृद्धयाजीवनमीनयमजिवमादयमकठलादाकम  
 कयालानयदकासमनजावाहयाववाहधंयययावधानं॥ ॥अथसाविलावगीयोवनद



यादकिवात्तकलमश्यादाकतायिवनिकाकुनमादानयागवदुव॥ वाधननित्यंथनित्यावः  
 कित्तयोवनयाअहंकारनथवकावयामडोकातावनं यच्चिनंवानियायकुयाकयनतास्यंनतः  
 ॥ ॥यकहास्वाकलायिरुमाधुननवसकियावातावमझकिगाधियवयमानिधवान  
 यमावासाविदमकवा॥संसमसहयुगखतीकीरमहाहकानिजायाधुवावादावकमियिः  
 कंयवसननामस्यहृदुःखीयाथा ॥अथयव॥यानंदंऊनसंसमदेयत्याचदिवदाक

६२

नांस्वन्नमयगृहवाशातानीनांदयनानिष॥ ॥कि॥स्यतंतनकिद्वानंतनकिद्याययिरः  
 गानवशाकननारदनारीनांसकित्तगयकायका॥ ॥थायमदकसावीमवाकसाभवन  
 दावामदकसाध्वस्वगानयवनसिसामाकिद्रयमहावधकांतावदंतकादासाका॥ वाः  
 अथ॥युक्तकसमानावीकलाऊवसमावमान॥कसायुक्तकवक्ति॥वेककंस्यययद्वध  
 ॥ ॥यवयवदुल्यमिसाहंमावनिवदुल्यमिऊनथकनगथमनयवकनप्रथमिवः



मिसावयकवुवानदावजयवधननरुतिननरयसकवधकां॥ ॥अधियाधिकावक  
 कियोमालरुदावकमियोवन॥युकाध्वविशरुवनयोसाकखमवहकि॥ ॥वानः  
 कद्रगोरववनमिषवयिवयावनसयुववनमिषवयिवजिथिद्रवदावकायनमिषवयिः  
 वक्रियायवननयवसममया॥ ॥यकदाशोलीलावकिरतावलीकोवनकाव॥यथेक  
 कर्तनवननिष्कृणनविमंरालायिःसममिना॥ ॥द्वद्वयायस्यवसाधलीलावकिनवंस

६३

कसालाववलसयसथामवातिद्वकाववनानाकधानविलासयादवाहमयन॥ ॥रु  
 मलकिनायसिर्दयकिमवलाकासकसालयकसयगुहीलानिरुतमालिंयचमनवकि॥  
 ॥धमनयायममिववत्यदावमचनवयदकावलीलावकीनवसाकसावावयसयदाववया  
 नरां॥ ॥जालध्वलायिक॥ ॥ववववस्यवन॥ ॥कदालिजनमवलाकासमिय  
 वमिनीद्वद्वयविनय॥नाकसायवगियादि॥वकसाकाहयाकहावनंजावयविहायसा



नित्यवर्गिदधिका॥ ॥ अथायसमिदमयाहावयानयाहदावसमिदमयाहदाहउनीन  
 विक्रययव॥ ॥ नाकस्माद्यवगिरदायाह्याक॥ ॥ अतलीकहनीनअथयसमोवंस  
 वासावावजावयवकांष्टयाभवावधनिवावगिदहउनीनवधुरयव॥ ॥ अभाहवगीमि  
 ॥ मयकवलायसुमुकानकतायिवाहननाकुरनिगयांकनविदिहाकारनंगवाक्यादत  
 मवयविशक्ति॥ ॥ विनाकहूनभवावताथैकनकायाह्याधनिवावद्यायक्यवश्याह

त्विनंकारनदयवधकंधंश्च वा यावत्तद्विषयमाकांक्षादावविष्णुगयाववागनमवृत्तामस्तथाश्चक्रया  
 अदिकदशयवधकंधंश्च ॥ ॥ यत्कथाधनवाज्ञाकतलवाज्ञाकसर्वेभ्यः सर्वेभ्यः वा यत्कः  
 त्वंधनमूर्त्तिहिवाज्ञासययकायक ॥ ॥ यत्कथाधनवाज्ञाकतलवाज्ञाकसर्वेभ्यः सर्वेभ्यः वा यत्कः  
 नित्याममविषयविमंतिधनंशुद्धिर्मा ॥ ॥ यत्कथाधनवाज्ञाकतलवाज्ञाकसर्वेभ्यः सर्वेभ्यः वा यत्कः  
 यावत्सक्यावत्तनमाकारसर्वेभ्यः सर्वेभ्यः वा यत्कः ॥ ॥ यत्कथाधनवाज्ञाकतलवाज्ञाकसर्वेभ्यः सर्वेभ्यः वा यत्कः



दीनः सत्तात्मादातद्विग्न आदावमद्यत्यादयिदुममर्कः॥ ॥थरंतीर्णदिवसदानिद्रवः॥  
 कडुडत्तादांमदयावमुन्नतययार्कं अवाववायंगरुया॥ ॥सन्नामंमंदमद्वयमयनव  
 छाकधूनामवलाकिरु॥ ॥रुकिरुकिग्यादावकुअकधूनकायावभावां॥ ॥ककः ३७  
 रुताकं॥ ॥धधनवरिकुनधाव॥ ॥अथनवरवाग्रादीयाथाइवमियधुनः॥यस्यमं  
 मृत्वांयायंस्वडाकिममर्कांगर्कः॥ ॥समर्कंवरवककयुर्वधननचदंयधुनकडवंधः॥

ननधयायसुदुयाधनवागायुजिनआवधववममद्राहुंहुगकिंद्रवाधवडाकिमंवनाध  
 वं॥ ॥किञ्च॥अथेनदुविहीनस्ययुवयस्यात्यमधन॥कीया॥मर्वाविनंतस्यदिशीः  
 आकसवीवाय॥ ॥धनमदामनश्याकडनिसुतत्थानयादाकार्यममर्कंनिसुवगी  
 याकावसवागाकनिसुतथं॥ ॥ययव॥यस्याथसुसामिगानियस्याथसुसवा  
 धवाः॥यस्याथ॥ममिमांलाकेयस्या॥॥सवयधुनः॥ ॥गथधवमासयाधनदम







गालानिष्कनयका मया यमकवा ॥ ॥ कथावाकं ॥ अथ न विमलदेव यथैयन न वरुत मन  
 विनादविदस्य वनादय ४ क मयं ॥ ॥ अथ न देव विमलदेव यदाव यव यन येन यादनि  
 मलद्रव ॥ लानि व न द विद द व द व व न क व म य व न थ या म य ग नं म द ॥ ॥ अथ न ॥ म  
 न सि मि य क का मं वा य यं न रु ग म्मि ॥ अथि नि दान मा या कि ना म ना या कि मी क मं ॥  
 ग्या नि व न क म् वा यी या द न सि यं द व क य न क म् द्य र ग न व यं द द स्यं ह न स वं अग्नि स्वा द कः

५०

मज्जि व थं ग्या नि व न क म् न क म् म वा क ॥ ॥ कि ३ ॥ अथ न म क व क स्य व व द व म म न खि न ठा ॥  
 म वे ला क स्य वा म द्वि वि सृ ज न व न द थ वा ॥ ॥ अथ न या य वि थ लानि व न क म् या न का म म्  
 गा अ मा म म क्क या सि व म क य अ मा व न म द्वा व सान थं द य व ॥ ॥ यं न न व वां द्वा डी व  
 नं क द कि व ग द्दि कं ॥ ॥ म व या क्क या व व यं म्मा द वान अ नि म किं य ॥ ॥ य म् ॥ व  
 द किं वी व द्दी न न या न ४ मं ग यि म्मा द न व श ना य का व य वि म्म व क्क य न ४ या थि ना न व म्मा



धनमात्रदाव भमदंष्ट्राहं यानमात्रकारिंश्च धमदसनानंश्च यायाकमद उयकाययाकमद  
 यकं दृष्टिमाहमवयाकयाधनायाहवानमात्रनात्र ॥ अथरक्त ॥ द्वाविडद्वियमकिः  
 दीयविगता ॥ युरुमककडा सा निरुजायविरुयकयविवात्रिर्वद्यमायाकिः ॥ नि ॥ ५८  
 वहेः सवसाकिमाकविदिमावद्यामसं यश्चकनिर्वदिः ॥ यमस्यदनिधनमायवीयदनाः  
 यदं ॥ ॥ विंश ॥ ववंका यमीनं वनयवननमकं येदृष्टं वनत्रयं वंमानवयवकर

पाकिगमतं वयं यानाश्चकानयविजनवाद्याकिरकिवर्गकिश्चासितं नवयवधनाश्चादः  
 नमस्तं ॥ ॥ भवता ॥ मद्रुदरुयाहयानकिदुरुसयद्वास्थं वनयिकननयं गङ्गायंः  
 किंयभवयाकिमवययमकिंय यानमात्रकारिंश्च धमदस्यायमवयालानयराधनमकिंयकि  
 काहानकिंय यरधनवास्थं मानमकिदं ॥ ॥ अथिव ॥ अथमानमयिलनकास्त्रवकमाः  
 जलवलावधं हविहवकाथवद्विकं गुनमाकमयाथिमाहचकिः ॥ ॥ विदुश्चककिम







गोदायुक्तकानां यत्नसंश्लिख्यमां॥ ककस्य दनलक्ष्मीनां मिश्रकथयधारां॥ ॥  
 विंश॥ किनाधिकं॥ कंकनकनसर्वमनयिर्गं॥ यत्नासाहस्यकथयधारां॥  
 ॥ अयि॥ अश्विर्गुणधारां॥ महस्यविद्वत्तथ॥ अनुकाशीवत्तं॥ अथकस्यायिदिदि  
 र्गं॥ ॥ यत्॥ तथाजनसर्वं॥ वाक्कमानस्यरुह्य॥ मनुष्यकथयधारां॥  
 यकितादयं॥ ॥ ककस्यसर्वधायस्य॥ विगवाथेयविद्वत्तथ॥ ॥ डकं॥

१०

वाधुर्गोक्तकथयधारां॥ किंसां॥ मवागी॥ किंजला॥ ककस्यदनलक्ष्मीनां॥ विंशतिर्गुणधारां॥  
 ॥ कथादि॥ अथकथयधारां॥ कथयधारां॥ कथयधारां॥ कथयधारां॥ कथयधारां॥  
 कथयधारां॥ ॥ अथकथयधारां॥ कथयधारां॥ कथयधारां॥ कथयधारां॥ कथयधारां॥  
 कथयधारां॥ ॥ अथकथयधारां॥ कथयधारां॥ कथयधारां॥ कथयधारां॥ कथयधारां॥  
 कथयधारां॥ ॥ अथकथयधारां॥ कथयधारां॥ कथयधारां॥ कथयधारां॥ कथयधारां॥



[illegible][illegible]







यद्यनमयावधवयानमाकदवस्त॥ ॥ आद्वीक॥ ॥ दिवधवनधव॥ ॥  
 वधमन॥ ॥ अमावधवधकं॥ ॥ मधुवनह॥ ॥ मधुवनकन॥ ॥ अमिक  
 त्यानकाठकावाकशाकवनामयाध॥ ॥ यद्यिदं वधमकल्यानकाठकावधवधवध॥ ॥  
 हकवधवधयानाममदव॥ ॥ मधुवनदायावधिवधमविध्वानवीमधमक॥ ॥  
 धनकावधवधवधलधनविध्वानवीवनवत॥ ॥ कककनध्वयोदिकमुगमादाया॥

॥ ३ ॥

मधुमाद्यावधिमिधुकावधवध॥ ॥ धमवधनमुगककवादावधवधवधवधः  
 ककककककन॥ ॥ कककनमुगकमोतिध्वधुकावधवधवधवध॥ ॥ धध  
 ककककककमधुवनवधवधमकयावधवधवधन॥ ॥ धुकावधन्यागवधनयाः  
 वगककवीननमयाध्वमयिकवधवध॥ ॥ धधधधवधनकयावधवधवधनकयं  
 कवननकावधमवधवधन॥ ॥ ककधुवनवधवधवध॥ ॥ धधधधनवादाः



वषट्कारमिमादवथांजक ॥ ॥ यम ॥ ॥ कलममि विरं गमं कृत्वा धिः यमनं गिर वानि मिः  
 मं विदामा यदहिया ह्यदिमयम ॥ ॥ गथययसालं सस नमि म विवत गमन कृत्वाः  
 वयवैकन याधिनदीरुयवाक्क कारिदाव ददयाधनानं रकयव ॥ ॥ गगनाकृय दीर्घः ॥ ॥ ४  
 रावोनामजं मृदा ४ यरि मनादावार्थिना नृगयाधधकवानवला कयामा ॥ ॥ धन  
 लिथं दीर्घवावनामजं वृकन प्रम रयं आहारमारवक र भुवा याधा ह्य थमि सिद्धवाह सनः

॥ ॥ आवाय विरुयामा मरुद्रा अंमममयसि रं ॥ ॥ धनदावजं मृकन विरुय  
 यवं महासा गज मं वाय कृत्वा धकां ॥ ॥ अथवा ॥ अविनि गानि दुःखाति यथवा यानि र  
 हिता ॥ राखा ध्यायि मथामा यद्वयमगा गिरि यम ॥ ॥ ४४ सस सधनयया अमदम  
 विरुयया गुविदा मथमथाधमं दहसजा यवयु मरुं मरिनु वया अं जायव विवदवनहया  
 अधकां ॥ ॥ रुदतवां माओमा अमकां जावकां वनं मरुदीय कि ॥ ॥ धनवान







ममायनामयावत्रायसामयसदययंदानि यादममदथकमनययधुमधाय॥ ६८  
 दयस्यलाननकलयाकविकया॥ ॥थकनकाभिरुदुनदत्यादायादतयकयायकिनः  
 ॥ ॥यक४॥धाम्नाधिवानिरुयन्नि मयायवुदियावाचयुयंविद्वान्॥सविद्यमथा  
 यधमाहुवाधंननाममाकुधकवाकिवागं॥ ॥अथव॥नसत्यमयधवमायकीराः  
 वावागिविहानविधिगुनंदि॥अथस्यकिंरुमकलास्त्रिगायियवाभयन्यथेमिदयदीयशा

६८

४॥ ॥कदकदगाविहयययीनि४करवाया॥नमंदयिनममैकंयंराखनयहानशाकन  
 दकाकधानयानवा४॥किविहयमकिमान्स्वस्यनंनयविहयकु॥ ॥थवथाननयः  
 दूकयदावकुशाकादवंवा॥स॥सिमनयंधकससंमकिमायधुगनधवस्वस्यनकावकमः  
 कवा॥ ॥वायवुयवयनमककु॥ ॥थकवायवुययावयन॥ ॥दधानतस्य  
 कागयुकिमिहामत्यव्यागजा॥ककिदनिधनंयानि कावा४वायवुवायुगा॥ ॥दधशा



दकं कार्ययादानवनिव सिंहासत्यव्य किमिभवनयावासास्यं दुथायममायवकासकावपुव  
 मृगा ॥ ॥ कथावाकं ॥ कावि रस्यमनसिना सावधयकावाविदशहाष्टं मृगा ॥ यदशंघः  
 यककमवकावगवाक्यगायार्जिक ॥ ॥ यदशानयनाकलयकवधशसिंहावलं गाहनक  
 सिन्नवहककद्वियं च धिरेरु मृगाद्विह्यालन ॥ ॥ नियातमिवमधुका ॥ मर ४ युष्मिदि  
 मिवास्तुका ॥ सायागधरमायाकि विवसा ॥ मर संवद ॥ ॥ कि ३ ॥ मरमावकिगेल

नं नं

द्वा ३ ४ स मायकिरंगथा ॥ वकवत्यविवरुन द्वा नितरसायानिवा ॥ ॥ मरमाविवद ४ स  
 द्वा सयानिवा मर वकहयथं मनुष्यायादायभा सद विव ॥ ॥ मर व ३ ॥ द्वा ह मर  
 नमदियमगंकी याविधिहं मनुष्यमर्क ॥ धिरेरु मरु हं मरु द ३ ल म्मी ४ सयं यात्यनिवा  
 सहगा ॥ ॥ द्वा ह न संयक मरिद्यमक विधानथ ॥ ॥ मरिद्यमववयथा म्  
 यमनमदुमविक श्रव यादावसव हं मरु दय धरुन मरु न म्मायाव लो म्मी त्वं थ म थथमव



मयागवयव॥ ॥विश्वयथा॥विनायथाधीरहस्यगन्धिवदमानान्नकियदंविश्वकायि  
बुद्धेयविरुवयदयान्निद्रयनमास्वसावदहमांगुलममदयावाक्यविद्वत्तुमिशोदिकिश्वाः  
वनकमालायित्तयक॥ ॥किं॥धनयानिकिदिमदरुकिंगकविरुवाविवादनयथाह ॥६  
मि॥करनिदिश्वंरकसमायाकात्यामाभनयानां॥ ॥यथा॥युक्तयथास्वयमीतिवजः  
स्यानिथाविरुहाविरुक्तावायसाग्नानिचोवतानिधनानिवा॥ ॥तंसमवाहकयादुर्ज्ञः

भवयतिनकाववधश्चयथादिनल्लास्यमीयसियाहयसागधकयकावमदाचोवनवनः  
धमार्थं॥ ॥युक्त॥वृत्त्यर्थनाकिवयकसाविधकननिर्मितागर्वाविश्विकिदः  
नोमाहृदयस्ववकहकनी॥ ॥यकयानिमिरुतयकिवकमयावकसकवधंविधाका  
सांतिमोक्षयाहृदयवगुमाथंभावनयामहेकाकदयहनंमामयादुदमानकयाहः  
दुदमानवाथं॥साधकमिक॥ ॥यनशुक्तिदंकाहंसाधुकाधहविगीहकाशा॥मः



यथाविधिमायनमकवलिः विष्णुस्यक्तिः ॥ यथायवमश्वरनंदं सतायवह्येयागकः  
 कुवाहवह्येयागकाससाविधिरुनामावह्येयागकयवमश्वरनंदकवुचैविधुवधकां ॥  
 ॥ अयवकः ॥ सतांदरस्यं शुधमिधु ॥ ॥ कामिकदिबध्वकगुलस्यकनददना ॥  
 ॥ कनयकननदुःखमाययक्तिविधुलिः ॥ मादयक्तिवसंयकावधमथोऽससावदा  
 ॥ ॥ दुःखवल्गवकिदुःखयिकरयंदियाकसयुक्तिसंताययादसयुक्तिसमादयाः

नं

दमनहावसयवयायानियात्तावधंमका ॥ यथायवमश्वरनंदं सतायवह्येयागकः  
 मा ॥ यथायवमश्वरनंदं सतायवह्येयागकः ॥ यथायवमश्वरनंदं सतायवह्येयागकः  
 देहुविधुलिः कनयकननदुःखमाययक्तिविधुलिः ॥ मादयक्तिवसंयकावधमथोऽससावदा  
 सजनादयिकयमथवगानिहंमृत्पाऽयादरुकाऽसायाऽ ॥ ॥ कनयकननदुःखमाययक्तिविधुलिः  
 नदुःखवल्गवकिदुःखयिकरयंदियाकसयुक्तिसंताययादसयुक्तिसमादयाः



गदः स्वस्वतु नमं दधमं सुश्रुयाद्वा गुविमसि स्था आसाविकायमजिवः ॥ ७० ॥ धनं गावद्वयम्  
 रं ब्रह्मवत्कृतयावका तवनात्तायदा मुख्यं यथैतन् धनं विभक्तं सस्मादकन विद्वद्युः ॥  
 धनमदमात्रं दयका कथितं दकदा वरुणाय वार्थानं दस्यं वा दमा वदा व मुख्यया यधकं धनं  
 धनं विभक्तं यमकवः ॥ ॥ रुद्राय त्वयि त्वत्ता वत्ता य विद्वद्वा रुद्रं धनं रुद्राय सुवर्णाय  
 याहु यास्य रुद्रि वसिष्ठिना ॥ ॥ यद्यकं वदित्वांश्च कर्मणा वांश्चानि वरुणं वाक्यं न वार्थकः

७०

मात्स्ये यगायाश्चानि वरुणः ॥ ॥ किमुक्तं ॥ मम यक्रया मा नयव सह वा चानीयकां ॥  
 यमशा ममाना काश्च धया रुद्रा वा रुद्रं न रुद्रं नाश्च विद्या गाश्चानि ममान रुद्रं मदानना ॥  
 ॥ वयं यमन वा वः ॥ ॥ वयं यमन नक्षत्रा ॥ ॥ धनं यमि मद्रु र्वा वाश्च रुद्रं नियतं  
 गुह्यं यमि ॥ ॥ धनं यमि मद्रु र्वा वाश्च रुद्रं नियतं ॥ ॥ यमशा मम च वः  
 कानि त्वं माय द्धे वरुण मशा गजानां वदन्तं गजानां गजान वधं वंश्च ॥ ॥ धनं यमि मद्रु र्वा वाश्च रुद्रं



विमानवानां सडरुमसत्यवयवकल्या॥ यस्यार्थिनावाजयता गतावानां विरुद्धा विमयायथा  
कि॥ ॥ कदवकमवखद्यादावकं वेदावदास्यवदहकि॥ ॥ धयकावदहिरधयक  
याधवयावधयनिस्त्रकं स्वद्यादावविदावदास्यनवान॥ ॥ अधयिकाक्षममृगहवताः  
यिनासिमाकयागल्यमिरीका॥ ॥ धनलिथविनाक्षममृगसद्विनंथादावधयनिह  
यादाथयराजायवाकवय॥ ॥ ककयधनवकं रुयदुदुमालवमृवाजवयविय॥

४९

॥ धयकावदहिरधयक ॥ ॥ ककयधनवकं रुयदुदुमालवमृवाजवयविय ॥  
॥ ॥ कदवकमवखद्यादावकं वेदावदास्यवदहकि॥ ॥ धयकावदहिरधयक  
याधवयावधयनिस्त्रकं स्वद्यादावविदावदास्यनवान॥ ॥ अधयिकाक्षममृगहवताः  
यिनासिमाकयागल्यमिरीका॥ ॥ धनलिथविनाक्षममृगसद्विनंथादावधयनिह  
यादाथयराजायवाकवय॥ ॥ ककयधनवकं रुयदुदुमालवमृवाजवयविय॥



खागकमसुदयाददकाद्यादावाइवकुयमां॥ ॥मद्वरमभुगलाककामिगधम ॐशुः॥  
 नथनजायावाधकांआलावदवथंयाददिसमधकां॥ ॥युवावस्यननवनमिदंसनारु  
 रिकीयमां॥ ॥विशालावका॥ ॥विशालावका॥ ॥लवकागामिमादः ६२  
 हंरुवकांनवममागकाकवद्रिःसममिमां॥ ॥सवयारुयनहादावकुशुकाशरः॥  
 धवयाइसवममिमायययाधकां॥ ॥दिवधकावका॥ ॥दिवधकांनडाया॥

मिश्रतंमावदमाकिमाहयतनियनमवकावका॥ ॥यकाभाडीरमंक्रकमतथंरथाः॥  
 वसंकागागकां॥वक्रिकंयमानशथमिगधयधुविषं॥ ॥कदकंसगुहमिवनिवि  
 लयधस्यीयमां॥ ॥थकनथवगुहविहयममावकांदिमानधकां॥ ॥कवृत्ताः॥  
 मृगहमानद्वःकसवद्यादावःयानिर्ययाहंजयमानकवृत्तायायांठयविष्टः॥ ॥थरु  
 आदिवकावकांयादहावभुगजातद्वयावश्वद्यादावयादलंसयादिनमादावकावयाः॥



मियमसिमावासावर्त॥ ॥युधमद्वयवर्क॥ ॥यत्तमद्वयवर्क॥ ॥  
 मय्युवाकतनासिमादसिकिंनिर्जलवनयाधामयवर्क॥ ॥रामियुगसन्तानं  
 युवाकधनिर्जनवनमगथासवयववर्क॥ ॥युवाधार्क॥ ॥युगधधार॥ ॥  
 अस्मिन्निर्जलवनययुवाकधनामवाजासद्विन्द्वयकमनागकयवृत्तावावर्तकीवसमाः  
 वासिमावर्क॥ ॥यद्विन्द्वयकमनामवाजाधमाद्विन्द्वयकमनाः

७३

यद्वृत्तावावर्तकीवसमाधनंथवासावर्क॥ ॥यवर्कनागसकयवसकीवकवि  
 कयं इतिवाधानामवालिन्द्वयवर्क॥ ॥कनसकवर्कयवसवयुक्ताविधा  
 मियमधनकतडयिवधकांमद्विन्द्वयवर्क॥ ॥वदकवाकवय  
 यनंरयधेयाहृमावाकयथावायुमावाक॥ ॥थथावाककनसकवर्क  
 थायमाकवयाहृमावर्कयथायवृत्तावाकनधर्कयुगधधार॥ ॥यमावर्कयमाः



हा। क। म। य। न। रं। ग। म। मि॥ <sup>२ का</sup> ॥ व। रं। य। कि। ह। दा। व। ध। रं। लं। स। या। द। थु। व। न। ध। रं॥ ॥ का।  
 क। मृ। गा। य। कं। व। न। दा। व। व। म। मु॥ ॥ का। य। व। मृ। ग। व। स्यं। ध। रं। मृ। मृ। अ। जि। व। स। ध। रं॥ ॥  
 हि। रं। श्र। वा। वि। श्र। वा। व। वी। न॥ ॥ हि। रं। श्र। वा। न। वि। मृ। स्यं। दा। व। दा। न॥ ॥ यून। र्ज। लाः ६४  
 ज। य। या। द। मृ। नृ। स्यं। व। ध। रं॥ ॥ ज। य। श्र। य। म। व। दा। व। मृ। नृ। य। रु। य। म। मा। य। वा। कृ। श्र। रं। द। य।  
 रा। ध। रं॥ ॥ सृ। तं। ग। दृ। रं। वा। वि। धा॥ ॥ य। न। ॥ य। मृ। सि। ज। न। ज। नृ। नं। इ। मृ। इ। मृ। नि। वाः

सि। नां। सृ। मृ। मृ। य। द। मृ। नां। वा। हं। मो। नं। वं। वं॥ ॥ स। रं। वं। य। य। क। न। वं। वं। न। वं। द। श्र।  
 न। मृ। मि। नृ। ल। य। वं। न। क॥ ॥ य। मृ। ड। य। द। गं। नृ। यं। श्र। दृ। यं। वं। हि। रं। श्र। वा। न। ध। रं॥  
 ॥ ॥ स्यं। वी। कृ। यं। वा। दृ। दा। य। ठि। क। नृ। न। कृ। ल। वं। वं। हि। ल। वा। रु। वं। ॥ सी। लं। कं। थो। वं। रं। वि॥  
 श्र। मि॥ ॥ ग। श्र। ध। रं। मा। थं। म। यं। वि। वं। श्र। दा। का। यं। य। इ। दृ। म। वा। ला। कं। न। मा। स्यं। दृ। म। यं॥  
 द। स्यं। दा। वं। ली। थं। वा। नि। या। यं। इ। दृ। यि। दृ। वं। थं। थं। यं। श्र। यं। वं॥ ॥ कृ। ड। यं। कं। थं। मं। नृ॥







शकः८६ दयाकदकचिह्नोभवत् । ॥ धरावस्थयकिराज्यकथागाथानक्रुनीनहाडाः  
व मरुधनकामवाधनदीप्ततयावद्दयमवस्थायादावसादयुक्त्याकरुणवन ॥  
कदर्कं । नर्मानासविषयः४ कश्चित् विद्यावायिनविद्यकागवस्तूष्माभिवावध्वयाथयन्निनवां  
नवां ॥ वागागाथंधारसा मिशाया मययाज्ञानंगद यथांगद गच्छक्षरसा सानवताक्रु  
स द्यावक्लावूनरजायाथी ॥ अथदकीवरनेष्टत्वावस्थवस्त्वारा ॥ अहंयदिव गा

[illegible]







महस्मि॥ ॥ यद्विद्वन्थाय सवन्मावन्थवत्सकये रमियकता महस्मि वमरयं वंय॥  
 ॥ गमात्ताय सवन्मावन्थवत्सकये रमियकता महस्मि वमरयं वंय॥ ॥ थकिमिस्मदवमरयं वंय॥  
 कवयव॥ ॥ यद्विद्वन्थाय सवन्मावन्थवत्सकये रमियकता महस्मि वमरयं वंय॥ ॥ थकिमिस्मदवमरयं वंय॥  
 ॥ गमात्ताय सवन्मावन्थवत्सकये रमियकता महस्मि वमरयं वंय॥ ॥ थकिमिस्मदवमरयं वंय॥  
 यनयिवाताय सवन्मावन्थवत्सकये रमियकता महस्मि वमरयं वंय॥ ॥ थकिमिस्मदवमरयं वंय॥

६६

॥ थअजंभकयनिस्यंथाय सवन्मावन्थवत्सकये रमियकता महस्मि वमरयं वंय॥ ॥ मयावृद्धि  
 यकावादस्य मरयं वंय॥ ॥ थअजंभकयनिस्यंथाय सवन्मावन्थवत्सकये रमियकता महस्मि वमरयं वंय॥  
 ॥ यननं वंय॥ ॥ थअजंभकयनिस्यंथाय सवन्मावन्थवत्सकये रमियकता महस्मि वमरयं वंय॥  
 थनलि श्वं वंय॥ ॥ थअजंभकयनिस्यंथाय सवन्मावन्थवत्सकये रमियकता महस्मि वमरयं वंय॥  
 यं थोववासा ॥ ॥ थअजंभकयनिस्यंथाय सवन्मावन्थवत्सकये रमियकता महस्मि वमरयं वंय॥



॥ हस्तिवृक्षा कर्णः ॥ ॥ किमिन्द्रावधुसधर्कः ॥ ॥ सवृक्षजंयुकादं ॥  
 शुभालक्षणावधुसधर्कः ॥ ॥ सवृक्षजंयुकादं ॥ ॥ सवृक्षजंयुकादं ॥  
 ॥ सवृक्षजंयुकादं ॥ ॥ सवृक्षजंयुकादं ॥ ॥ सवृक्षजंयुकादं ॥  
 ॥ सवृक्षजंयुकादं ॥ ॥ सवृक्षजंयुकादं ॥ ॥ सवृक्षजंयुकादं ॥  
 ॥ सवृक्षजंयुकादं ॥ ॥ सवृक्षजंयुकादं ॥ ॥ सवृक्षजंयुकादं ॥

६८

निवृथ्यादं जिह्वायुदंयधर्कः ॥ ॥ यगभायुदंयधर्कः ॥ ॥ यगभायुदंयधर्कः ॥  
 वान् ॥ यगभायुदंयधर्कः ॥ ॥ यगभायुदंयधर्कः ॥ ॥ यगभायुदंयधर्कः ॥  
 ॥ यगभायुदंयधर्कः ॥ ॥ यगभायुदंयधर्कः ॥ ॥ यगभायुदंयधर्कः ॥  
 ॥ यगभायुदंयधर्कः ॥ ॥ यगभायुदंयधर्कः ॥ ॥ यगभायुदंयधर्कः ॥  
 ॥ यगभायुदंयधर्कः ॥ ॥ यगभायुदंयधर्कः ॥ ॥ यगभायुदंयधर्कः ॥



बद्धव गनसि गनधनस्यं गदा॥ ॥ अथवा ॥ यथेष्टं वरुमानां माधव इति वीर्यमि॥  
 विकलायिहियथो धीकीय वनन रुचमो॥ ॥ किं कानियन विषयवहो यायमा रुधु  
 यागजा॥ जगति यव व हसि वृत्त रुधमाधुनि विरि॥ ॥ अथवा ॥ यि विरि कला वा या विरि कला धनं वाः  
 यकिमयि कला नावी रुधुनी याय येकि॥ ॥ अथवा ॥ न गव वान विरि न कि कथा कला स  
 वरमगय नासि रुधु याय वतिरि॥ ॥ अथवा ॥ न गव वान विरि न कि कथा कला स

२०

इयधर्मायादकं वृकवर्त॥ ॥ अथवा ॥ यथेष्टं वरुमानां माधव इति वीर्यमि॥  
 महायं कनिगवृ॥ ॥ अथवा ॥ यथेष्टं वरुमानां माधव इति वीर्यमि॥  
 इयधर्मायादकं वरुमानां माधव इति वीर्यमि॥ ॥ अथवा ॥ यथेष्टं वरुमानां माधव इति वीर्यमि॥  
 यवदावमदायं रुधुमा॥ ॥ अथवा ॥ यथेष्टं वरुमानां माधव इति वीर्यमि॥  
 कस रुधुमायाययायधर्मा॥ ॥ अथवा ॥ यथेष्टं वरुमानां माधव इति वीर्यमि॥

अथ



कवावलं वनं कवाकिपुयस्यवसितयाविश्वामकमः॥ ॥ कथावाकं॥ यदि स्यांग  
 निवगाकविश्वामिहविश्वामि॥ अथसङ्केतगायिष्ययकिश्वामियकिश्वामि॥ ॥ अथदः  
 वावजङ्गमकनथंसाधधकंयानादिनक्रियाकमहायाववृगङ्गयाववनतवकावनमा  
 कथयिषि सत्यव्यवसाययानमादयद्रकसु नायमहावधवसंज्ञकायवृगङ्गयाः  
 वसंज्ञकाकहावअवस्येयवयवीव॥ ॥ अनाहवविमि॥ डयायनदीयादि॥ ॥

६९

कुरुनिनराजयुगुर्वायिनायवंथकनकनडयायलसूयायावंधकं॥ ॥ गन८४  
 कुरुयदहनकंसावदहनंनमानिवनिवाकंराजयुगुहाहावकवकाव॥ ॥ यः  
 अकादितियाडयदधदहावराजयुगुसंरावधवकियायुगमिवावदकनामवानियुः  
 राजसावकायाकधकं॥ ॥ नवकासासर्वविश्वसकायीनियकं॥ ॥ समरु  
 विश्वसकायसराजयुगुसंयदंकरं॥ ॥ नकयाकनराजयुगुहाहाकानलिहकनव



लावकावधारिनाकं॥ ॥ अथ वाक्यं यत्तु संज्ञानयादाववधिर्वर्गं साविधीतन विज्ञाः  
 दावबलावकावकावविज्ञादाववावदकवानिवायान्नाह्लादिव॥ ॥ मयामामम  
 कंयावकाववीवकंकरुयां॥ ॥ जनश्चिन्माणावीवकावकाव॥ ॥ वदयावला  
 यकिवाहीमकाहुलानां यवकीमानियसमयययथाविभनयुजयितयामि॥ ॥  
 थकवकथनिवावकावयायथनिनिसंज्ञितयुक्तधाराकिंदमीवकावदहयमावधकां

२०

जनयथागकथां रलावकावदानयायधकां॥ ॥ गगनमयावदकृत्वाविधाकरनी  
 यमानीयसमय॥ ॥ यथावाकासंज्ञाह्लादियावकावदकृतयुक्तिनंकरुनिष्ठावाठः  
 दयावविवा॥ ॥ यथावावनिष्ठाकृष्टयुक्तनृकिमयकाकिनिव्यययति॥ ॥  
 धनलिथवाहियुक्तवाकासंगथाययसमधकांगुक्तनयुक्तिनवादावसाव॥ ॥ मः  
 यवाक्ययुक्तयुक्तवलकीकरुनिमस्यमनेववकावलाकाव॥ ॥ संयुक्तयुक्तकंदलाकावमयस्य



ययकि॥ ॥ श्रवाजयुगुक्तवनायं श्रवणीं मथिसं वनातं कालविश्राव युजा  
 यादावक्रतमाकनमवनमवनकं थवद्वयं॥ ॥ अथवनिष्कृशाहस्यवजागविष्ठाः  
 शाताशात्यह्वनाः स्यामातियसमर्थिगवान्॥ ॥ श्रवणावधवृत्तांमयाः  
 वक्रमिबहिरविश्रावद्युकासदाव वानिकुगुहविष्ठासदवकावयं श्रवणावधवृत्ताः  
 हयावदिवधकं॥ ॥ सवराजयुगुक्तवनायं श्रवणीं मथिसं वनातं कालविश्राव युजा

२३

यमातिशयान्ननिमित्तलायनः यशोक्तनिःसङ्गाद॥ ॥ श्रवाजयुगुक्तवनायं श्रवणीं मथिसं वनातं कालविश्राव युजा  
 सहस्रयमायियक्तावधवृत्ताः स्यामातियसमर्थिगवान्॥ ॥ अथवनिष्कृशाहस्यवजागविष्ठाः  
 दानं निष्कं उवसादन॥ ॥ गमावाक्त्रवनिष्कृशाहस्यवजागविष्ठाः  
 यराविवाहमयागका॥ ॥ श्रवणावधवृत्तांमयाः  
 द्यायधवदायनथवज्ज्ज्ञानकारयं यरमाविश्रावयादाववनधकं॥ ॥ कथमत्वयादि



रुविमामिनि॥ ॥ हि रथ कन वय वन वहा कथं थथ या सं का य द य स न ध र्क ॥  
 ॥ न द्वि क व र न म धि र्थ म द का र य न स स व व र म म द र र्क ज रा ध य म ल क य व लि  
 क ॥ क थि हि र थ का र द र म न ग र्थु कि ॥ ॥ क र ४ क र वि श्र ल्प न वान न य र्थ क ता मः  
 नृ वं या क ॥ ॥ ध य का र न र्थ दा व म द व न ज ला ध य म र र्क ज ला म धि नृ वं स व र न  
 व ना क र स म म द र र्क ध र्क ॥ ॥ द्या र्थ र र्क गृ हि ता ड ह्य थ ध नृ र्थ व धा ग म्भ क

८४

गो क ला गृ हा रि म र्थ य या क ॥ ॥ म द र र्क दा व का या व रि द्या या र या व व ना क र स र्क  
 म र यं क द न र्थ व गृ ह व न या रं ल न व ल ॥ ॥ अ थ क र्म ग वा य म म र्थ का ४ य र वि द्या रः  
 म य ग मा ॥ ॥ ध न लि ध म द र्क दा व व वा का र व कृ थ सा म्भ य कि वि द्या दि द र ॥  
 ॥ क म न ग र्थ वृ हि र थ का वि ल य नि ॥ ॥ ध म नृ थ न म द र र्क दा व व दा व हि रः  
 थ व न वि द्या य या क ॥ ॥ उ क र्थ र्क र्थ न या व द र्क म र्थ म्भ र्क दा ल मि द्या र्क व र्थ का व रः







कर्षाविवर्तुवा इतिवद्रविधिवित्तयद्विषयकशिक्षाजलसूचकनयद॥ ॥धयकाः  
 वनप्रनकविलाययादावद्विषयकनविगाजलसूचकनयद॥ ॥यावदौवायंथा  
 क्षवनालनिष्ठमयि तावत्सहस्रमाययिदुंकीयगांयत॥ ॥धमवधवनानर  
 कारगंधुलमहाववनकासचलया मायनयायदयाययायुधधकं॥ ॥गावाहुरु॥  
 तत्सहस्रंयथायामुचकां॥ ॥धनक्रयनंधारकायवमुगवस्यगश्रयायमाव

६७

दयायमदानकाकनधकं॥ ॥द्विषयकावुरुद्विषयकनधार॥ ॥विगाजलः  
 समिधंगलायुगमिवालातंतिधुर्नदशैरुं॥ ॥वाकधुगस्यायविकिश्किश्किश्कुरस्यः  
 विषयुननननलसूचकन कचुयंयवियुज मग मायायिनासुतवंगनयं॥ ॥वि  
 गाजमुगद्धकवसमीयदादावसिकदुयंवादानालसूचकनकनमुगयाक्रसहावावका  
 दाथंदनकंवादायकं धमजवनमद्वरकारगंरवायालायारुनसिकारयवद्वयविन



धर्कं॥ ॥कमलंमन्दस्यवधनंशुलामि॥ ॥धनजनमन्दस्यवधनंशुलामि॥

धर्कं॥ ॥विशालंलघुयकनकायांसतवंगलाकथामकिशिकसकि॥ ॥धध

द्विधकनदादावविशालंलघुयकनकावमयनवदावधयवावनधनधर्कं॥ ॥

मयाधधानुयानियंयीताकवारधमादयविहृ॥ ॥धमदरयाआयावलयगीः

दावसिमाकसमानवनधर्कं॥ ॥कथाविधंयुगमयधक॥ ॥धयकावधसिह

चादशुगसववंयन॥ ॥कककलिकासादाययदृष्टमनाशुगानिकैयलिर्क॥

धधशुगसिदयादयसैदावसमायावयायिकायावशुगयासमिदसवनधर्कं॥

शुगान्नद्विधकनकागलद्विनावध॥सकर्मशौर्यंजराशयंववश॥ ॥धधसव

धमदरगावर्कतायावसद्विधकवदावलियासवस्यंनयागुविदादावमन्दरजलः

समयननदंदाव॥ ॥शुगसामनकंशोधमवलाकडहययलायिका॥



श्वरान्नमववयकिठववन्नदावडायदडाडावलवकां॥ ॥यलाइत्ययावदमोल  
 वकस्रुममायाकितावकममयश्चनविक्रयत्॥ ॥थश्चवलावयावधमवलन  
 मिमाकावयावभाबडास्यं वस्यं गयाकायश्चमदयाव विक्रयववं॥ ॥डविकमवक  
 न्नाममासमीककाविषा॥ ॥थायुवातिथिविहज्जुधुवगिरश्रवक॥धुवाविक  
 यनस्यकिञ्चुधुवंतगमवव॥ ॥गगाकाथंधारमासिधुगुविभावरकंमसिधुगुविः

२६

विक्रययन्नायसिधुगुविभाक मसिधुगुविद्धिनंद्योतिस्थंसदा॥ ॥कतामोखकः  
 मवसात्रिभासकद्वयविद्वष्टा॥ ॥धतंतितिलतासायादावधमदवधवकद्वकद्वः  
 नायवारकंवनवकां॥ ॥मद्वमदयश्चमविक्रस्यद्यायद॥संस्थंगतायथागस्यसि  
 का॥ ॥धमद्वरुआदिन्याकस्यतंसदायकारकंथवद्ववयाथयमंवदाडाद्वदः  
 याथंनानधकां॥ ॥अथयकस्रुधुमकं॥यदिमसन्नस्यिन॥संयन्ना॥सिद्धिनः



समीहिकां॥ ॥धनंतिमदधेयगङ्गायावापसदृशस्रग्द्विजतंतोकिमावधयाव  
विष्णुगङ्गादगुरुयावयिनायाधिकां॥दगुरुगमथाधिरवधवादिनसममसायनस  
मनदस्यमिगुगारुधनसिधरसाधिकां॥ ॥विष्णुगङ्गाविकां॥ ॥विष्णुगङ्गाः  
दयधिरुगनधावा॥ ॥नरुगवकानसिबक्रिकसम्यन्नमयीदसदु॥ ॥ध  
नरुगवाननयाधियनिसदस्यक्रिकयादतंतोकिमावधसम्यन्नदयकायधेः

[illegible]



यक यगादस्यां बृहस्यकिदिनयंयधुमिनि॥ १५ ॥ यदातयनि कदापुयस्यत कर्द्वद  
कात्वावसायोनाशुदावस्थित धर्मात्मा कामकावहानयाजगायादकायंयहिममिरीक  
वतयस्यान्नि द्वागताम महाययकक योशीशक्तिरत्न गालि वडासात्रअणस्थनतानवयु  
ककायास्यं वादावयस यदुदयदम मन्दहयेन धमयनयि धनसावकाजवा॥ १६ ॥  
अनमनतनेवदु अवेदा॥ १७ ॥ १८ ॥ १९ ॥ २० ॥ २१ ॥ २२ ॥ २३ ॥ २४ ॥ २५ ॥ २६ ॥ २७ ॥ २८ ॥ २९ ॥ ३० ॥

三







